ओयासिस

कार्यपत्रिका-कक्षा १०

हिंदी

जिला शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्र (डायट)

इटुक्की, तोटुपुषा

कार्यशाला में भाग लेनेवाले.....

१. कोच्चुराणी जोय, एच.एस.टी
जि.एच.एस.एस.कुटयत्तूर
२. बेबी मात्यु, एच.एस.टी
जि.एच.एस.एस.मुट्टम
३. जानसी के .ए, एच.एस.टी
एस.एच. जि.एच.एस. मुतलक्कोडम

शैक्षणिक पर्यवेषण

श्री .ए.एम षाजहान

लक्चरर, सि.एम.डि.इ.फाकलटी डायट इटुक्की

जिला शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्र (डायट)
इटुक्की, तोटुपुषा
फोन: 04862226990 ईमेल : dietidukki@gmail.com
वेबसाइट : www.diet idukki.in

संशोधन पैकेज के बारे में।

"वास्तविकता की एक से अधिक प्रस्तुति" की अवधारणा के लिए ज्ञान दृष्टिकोण बहुत महत्वपूर्ण है।ग्लाससफील्ड के अनुसार (2008; 1991; 1989) वास्तविक दुनिया के संबंध में, किसी के मस्तिष्क का आकार वास्तविक हैहमें इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह दुनिया को सही ढंग से दर्शाता है।यह मानव के संवेदन प्रणाली मस्तिष्क में वास्तविकता को कैसे नियंत्रित करती है इसपर निर्भर करता है! ग्लैसेर्स फेड का संज्ञानात्मक सिद्धांत को रेडिकल कंस्ट्रक्टिविज्म कहा जाता है।वह विचार जो किसी के दिमाग में बनता है, जब वह एक कमल को देखता है या हमें कैसे पता चलेगा कि यह रूप असली कमल का है? यह कैसे जान कर सकते हैं? इसलिए सीखने की पूरी प्रक्रिया में यह कहा जाता है कि बच्चों को कई तरीकों से रिकॉर्ड करने के अवसर दिए जाने चाहिए।पदसूर्य, टेबल, कॉन्सेप्ट मैप, इलस्ट्रेशन, फ्लोचार्ट, टाइमलाइन, माइंड, मैपिंगविभिन्न प्रकार के संज्ञानात्मक संगठनों का ज्ञान प्राप्त कियेप्रत्येक बच्चे की मानसिक स्थिति, ज्ञान के स्तर और विकास को समायोजित करनाशिक्षक को पता लगा सकते हैं।इसके माध्यम से कितना ज्ञान प्राप्त हुआ वह वास्तविकता के अनुरूप है निकटता का गुणात्मक विश्लेषण भी किया जा सकता है। ऐसा बहुमुखी बुद्धि से संबंधित प्रलेखन के लिए अवसर प्रदान करना इतना ही नहीं।कई तरीकों से सीखने की प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में बच्चे के लिए अवसर ऐसे उत्पादों को शिक्षक की तैयारी के अनुसार डिज़ाइन किया गया है और विविधता भी ।यह कुछ ऐसा नहीं है जो अध्ययन के बाद किया जाना चाहिए। सीखने की प्रक्रिया के साथ यह कुछ ऐसा है जिसे होने की जरूरत है। ऐसी रिकॉर्डिंग स्पष्टता और ज्ञान के लिए हैंज्ञानोदय कहता है कि गुणवत्ता अपरिहार्य है। परंतु वर्तमान स्थिति में, आइए हम ऐसे अवसरों के लिए सक्रिय रूप से तैयारी करेंनहीं कर सका।अध्ययन के बाद प्राप्त ज्ञान को समायोजित और संहिताबद्ध करें करना ज्ञान को मजबूत करता है और विचारों की स्पष्टता को बढ़ाता है क्योंकि कोविद के विशेष मामले में परीक्षा करेंगे स्वस्थ रूप से सामना करने और बच्चों के लिए चिंता को कम करने के लिए इडुक्की डाइट ने इस संशोधन पैकेज को तैयार किया है।

दसवीं कक्षा संचार प्रौद्योगिकी को छोड़कर सभी यह पैकेज विषय पर सभी इकाइयों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एस सी इ आर टी तैयार किए गए फोकस क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया था । सभी शिक्षक संशोधन पैकेज का उपयोग करने के लिए सावधान रहेंगे।

प्रिंसिपल, डाइट, इडुक्की।

आनुक्रम

इकाई १.....५-१६

बीरबहूटी

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था।

टूटा पहिया

इकाई २.....१६-२३

अई एम कलाम के बहाने

सबसे बडा शो मैन

इकाई ३.....२३-२८

अकाल और उसके बाद

ठाकुर का कुआँ

इकाई ४.....२९-३३

वसंत मेरे गाँव का

दिशाहीन दिशा

इकाई ५.....३४-३८

बच्चे काम पर जा रहे है

गुठली तो पराई है

अभ्यास केलिए.....३९-५१

इकाई 1

बीरबहूटी - कहानी

साराँश

हिन्दी के महान कवि और कहानीकार प्रभात की कहानी ।
पाँचवीं कक्षा के दो छात्र साहिल और बेला के बीच होनेवाली सच्ची मित्रता की कहानी।
एक साथ स्कूल जाते हैं,एक साथ पढ़ते हैं, एक साथ खेलते हैं ।
एक साथ बीरबहूटी खोजते हैं ।
दुकान में भी एक साथ जाते हैं।
गणित के अध्यापक सुरेंदर जी बेला से बुरा व्यवहार करते समय दोनों दुखी होते हैं।
एक ही समय पर बेला के सिर पर और साहिल की पिंडली पर चोट होती है
छठी कक्षा में आने पर दोनों अलग - अलग स्कूल जाते हैं।
साहिल को पिता अजमेर के स्कूल के हॉस्टल में रहकर पढ़ाने का निश्चय करता है ।
बेला को पिता राजकीय कन्या पाठशाला में भेजने का निश्चय करता है।
दोनों बडे दुख में हैं।

डायरी लेखन

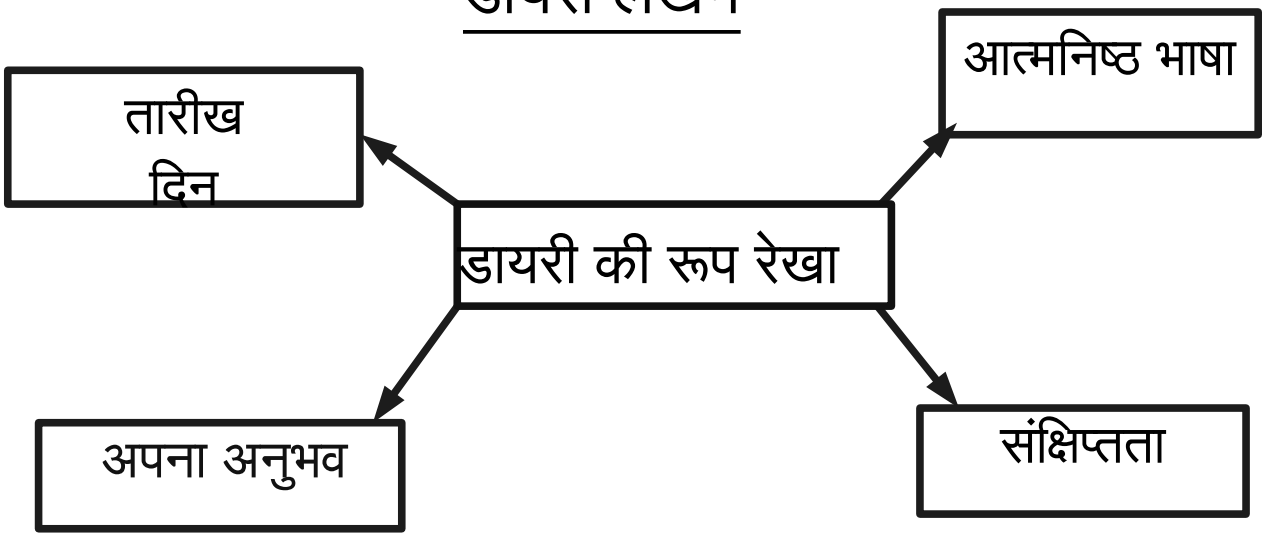

1. एक दिन सुरेंदरजी माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया ।इस घटना पर नीचे की सूचनाओं से बेला की डायरी तैयार करें।

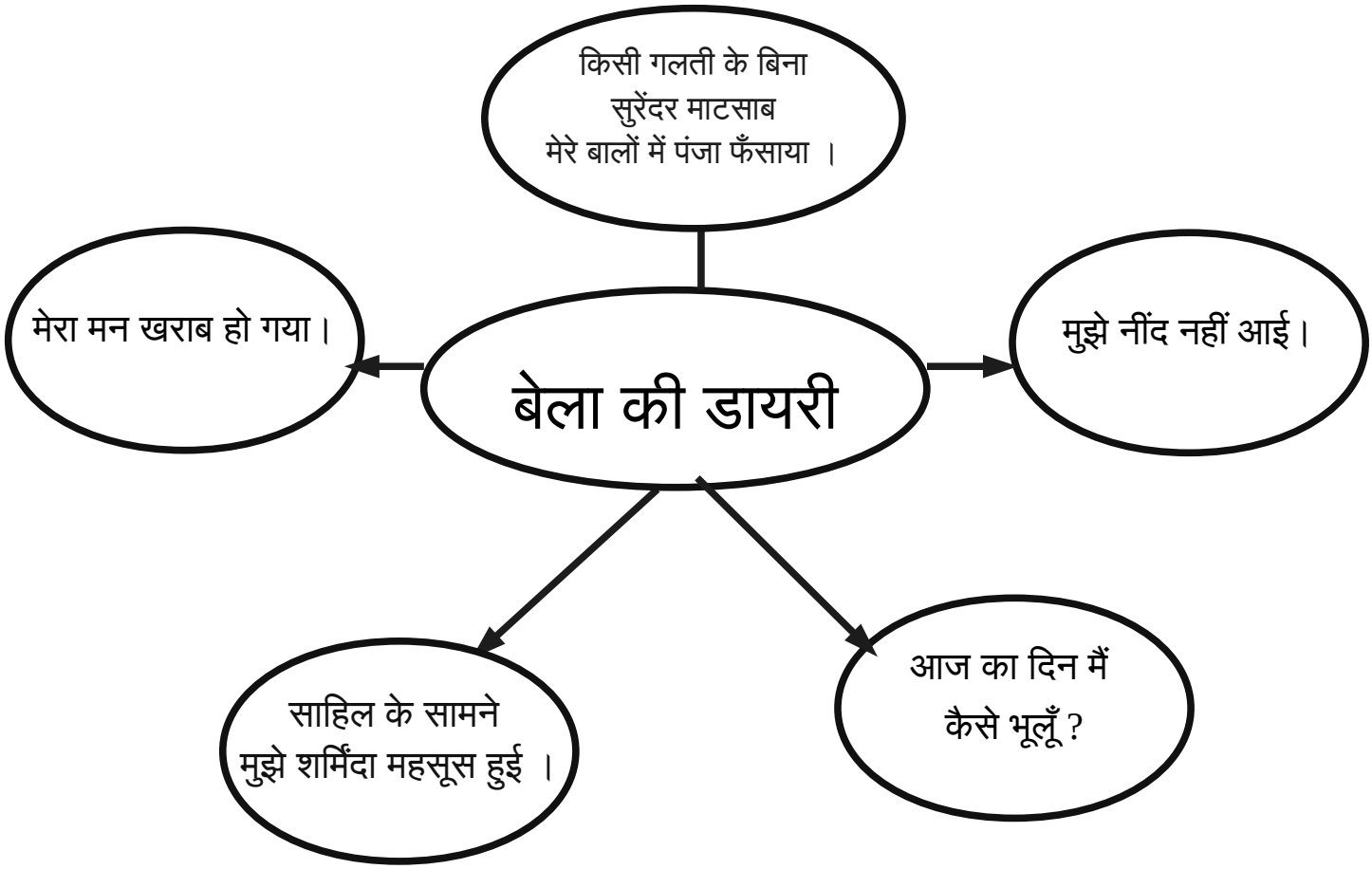

1.बेला की डायरी

16 जून 2020

मंगलवार

अज का दिन कैसे भूलूँ ? मैं साहिल के सामने अपमानित हुई ।गणित की कक्षा में सुरेंदरजी काँपी जाँच रहे थे ।मैं ने काँपी लिखी थी ।फिर भी किसी गलती के बिना सुरेंदरजी मेरे बालों में पंजा फँसाया । मेरा मन बहुत खराब हो गया । साहिल के सामने मुझे शर्मिंदा महसूस हुई ।क्योंकि मैं उसके नज़र में बहुत अच्छी हूँ ।ऐसा दिन कभी न आएँ।मुझे नींद नहीं आयी ।ईश्वर रक्षा करें ।

2.पटकथा

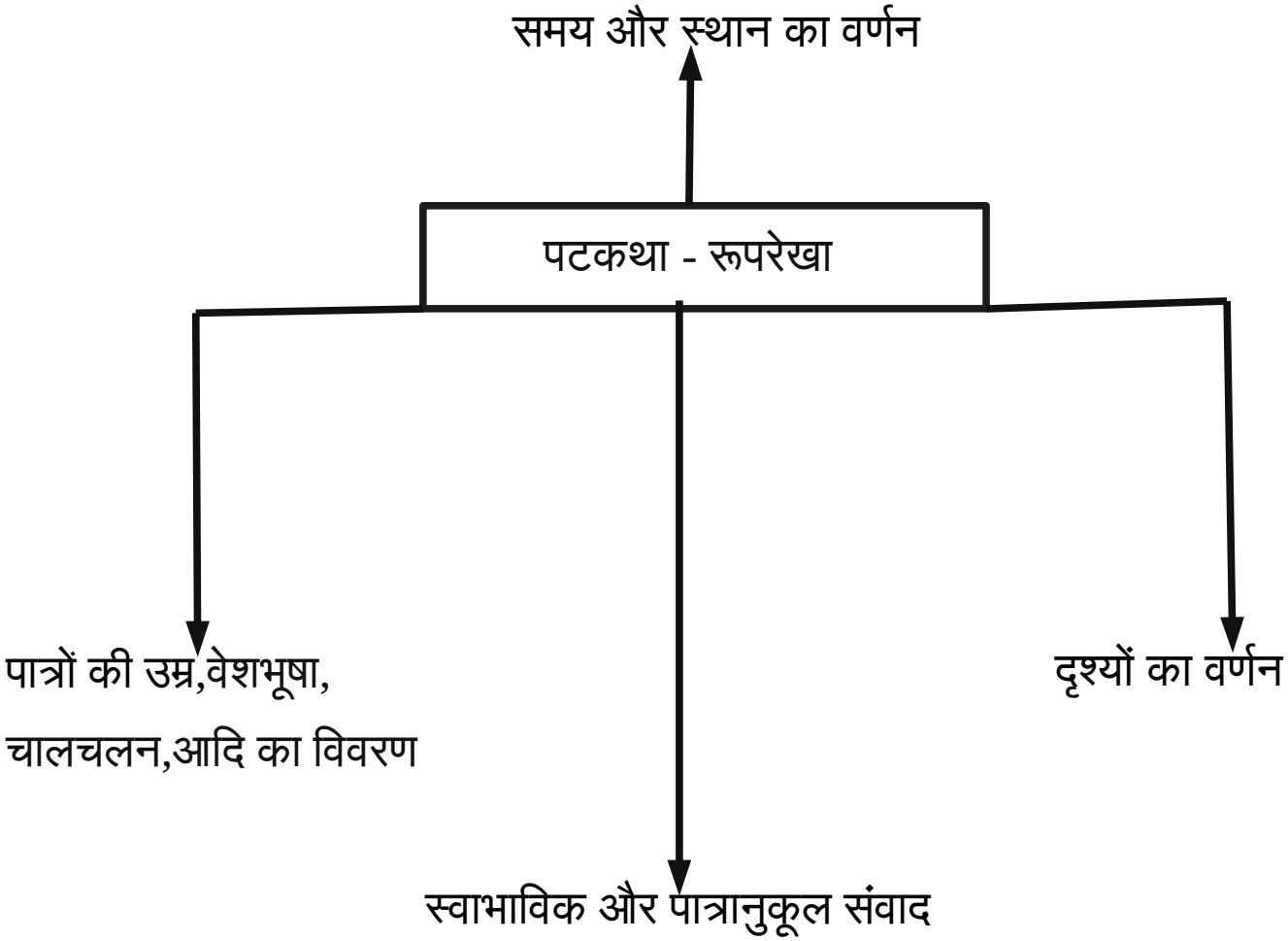

2. " उन्हें बीरबहूटियों से मिलना होता था। सो वे स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे। कस्बे से सटे इन खेतों में बीरबहूटियाँ खोजा करते थे। सुर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ। "

नीचे दिए सूचना के आधार पर पटकथा तैयार कीजिए।

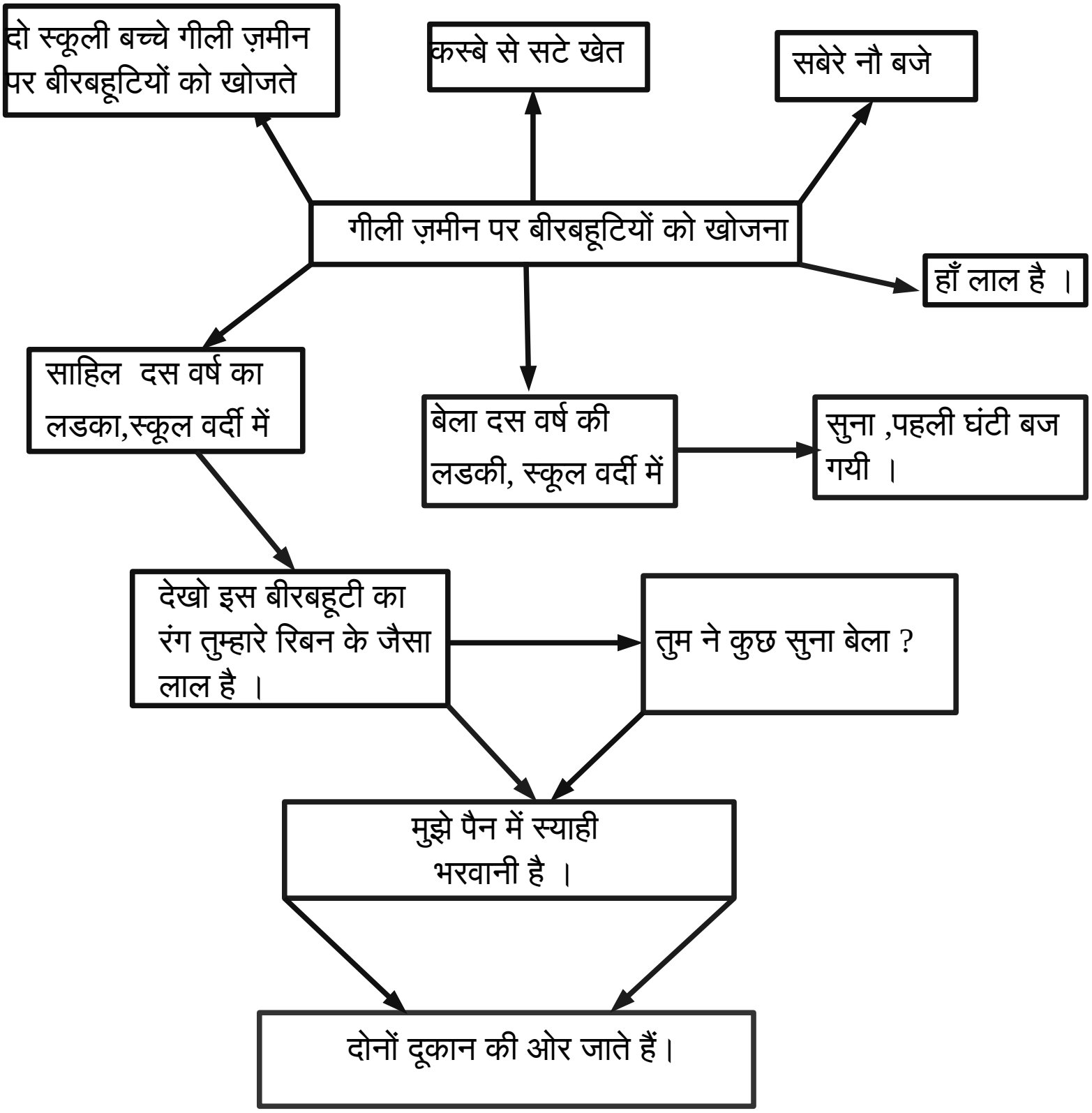
दो स्कूली बच्चे गीली ज़मीन पर बीरबहूटियों को खोजते
कस्बे से सटे खेत
सबेरे नौ बजे
गीली ज़मीन पर बीरबहूटियों को खोजना
हाँ लाल है ।
साहिल दस वर्ष का लडका,स्कूल वर्दी में
बेला दस वर्ष की लडकी, स्कूल वर्दी में
सुना ,पहली घंटी बज गयी ।
देखो इस बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है ।
तुम ने कुछ सुना बेला ?
मुझे पैन में स्याही भरवानी है ।
दोनों दूकान की ओर जाते हैं।

पटकथा

दृश्य : एक

स्थान : कस्बे से सटे खेत ।

समय : सबेरे नौ बजे ।

(लगभग दस- ग्यारह साल के दो बच्चे बेला और साहिल ज़मीन पर कुछ खोज रहे हैं। दोनों स्कूल वर्दी में हैं ।)

साहिल : (खुशी से) हाय बेला, देखो बीरबहूटियाँ ।

बेला : (आश्चर्य से) हाय ! कितना सुंदर !

साहिल : ठीक है ।इस बीरबहूटी का रंग तुम्हारे रिबन के जैसा लाल है ।

(स्कूल से घंटी बजने की आवाज़)

साहिल : (खबराकर) तुमने कुछ सुना बेला ?

बेला : हाँ सुना ।पहली घंटी लग गई है।

साहिल : लेकिन दूकान से मुझे पैन में स्याही भरवानी है।

(दोनों दुकान की ओर जाते हैं ।)

---

3. आपके स्कुल में बीरबहूटी कहानी का मंचीकरण होनेवाला है ।नीचे की सूचनाओं से एक पोस्टर तैयार कीजिए ।

- सरकारी हयर सेकन्टरी स्कूल तोटुपुषा◆दो बच्चों की दोस्ती की कहानी
- बीरबहूटी◆सब का स्वागत
- कहानी का मंचीकरण
- 15 अगस्त 2020◆मूल कथा : प्रभात

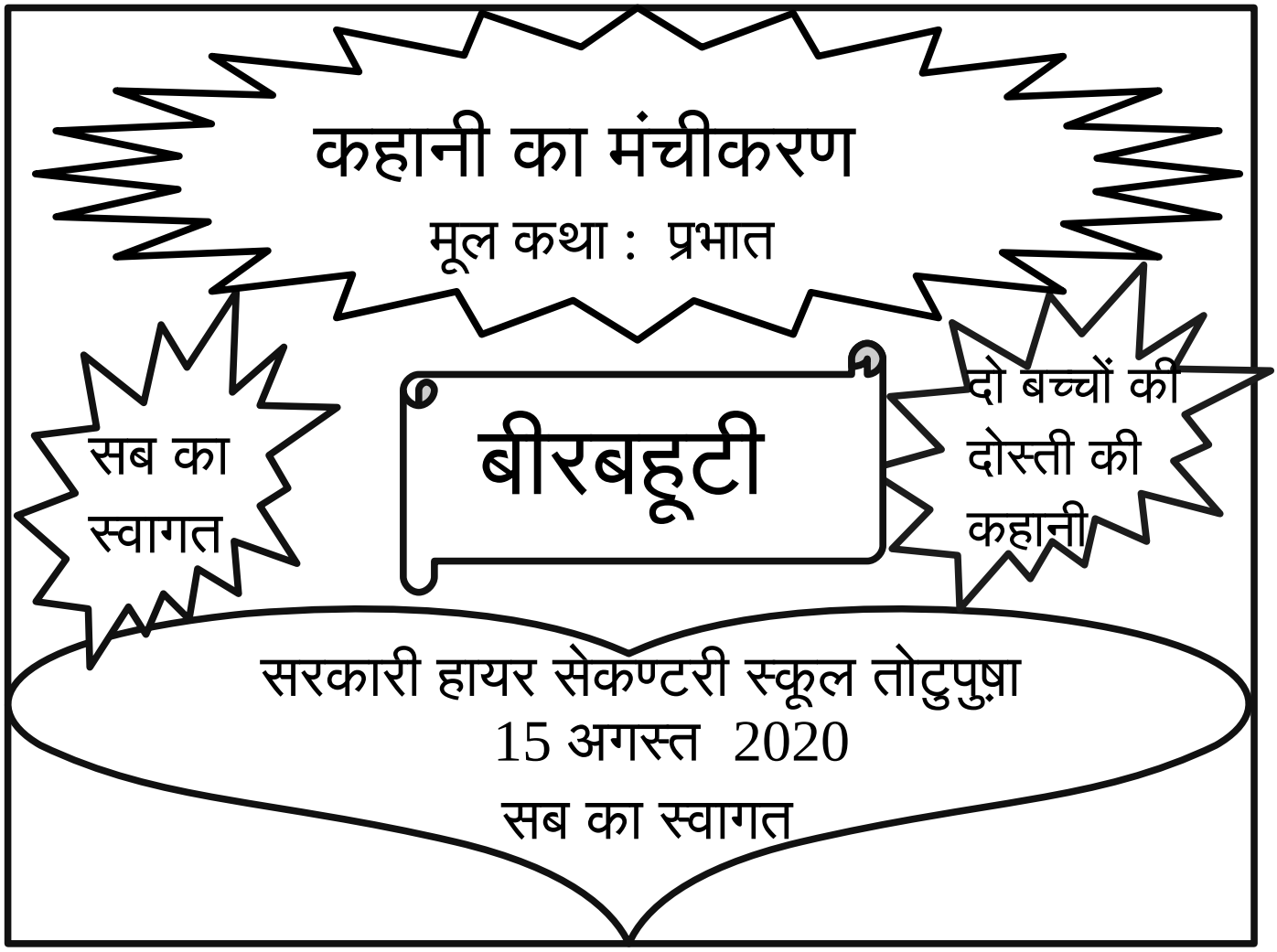

4. सही विकल्प चुनकर लिखें ।

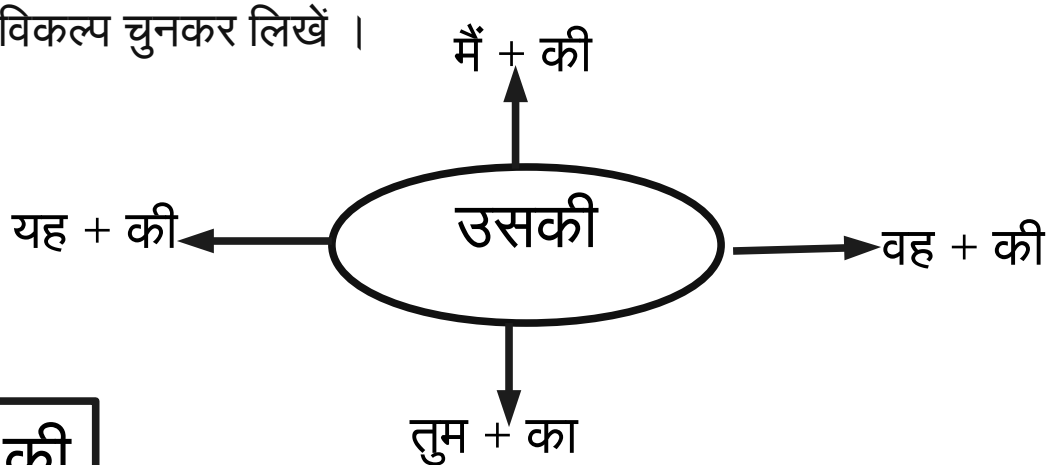

वह + की

5. उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरमिड की पूर्ती करें।

■ बेला का

दुख से

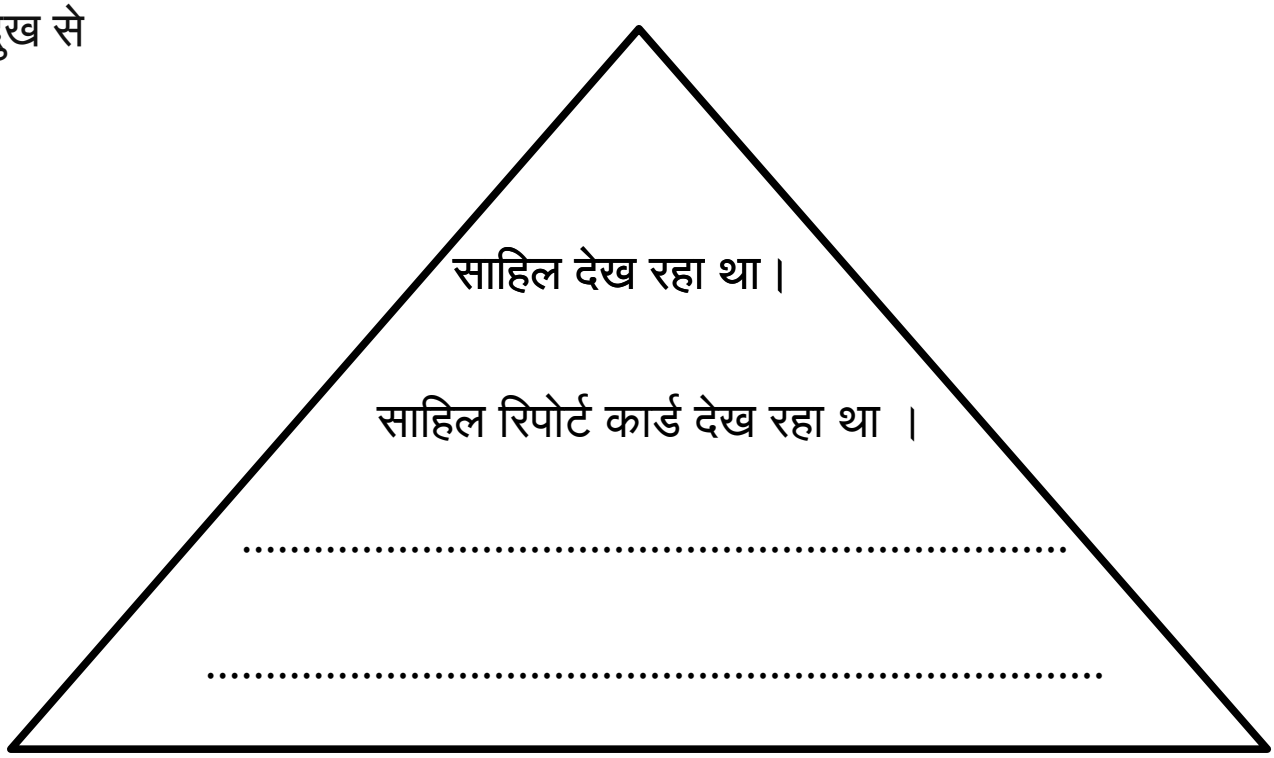

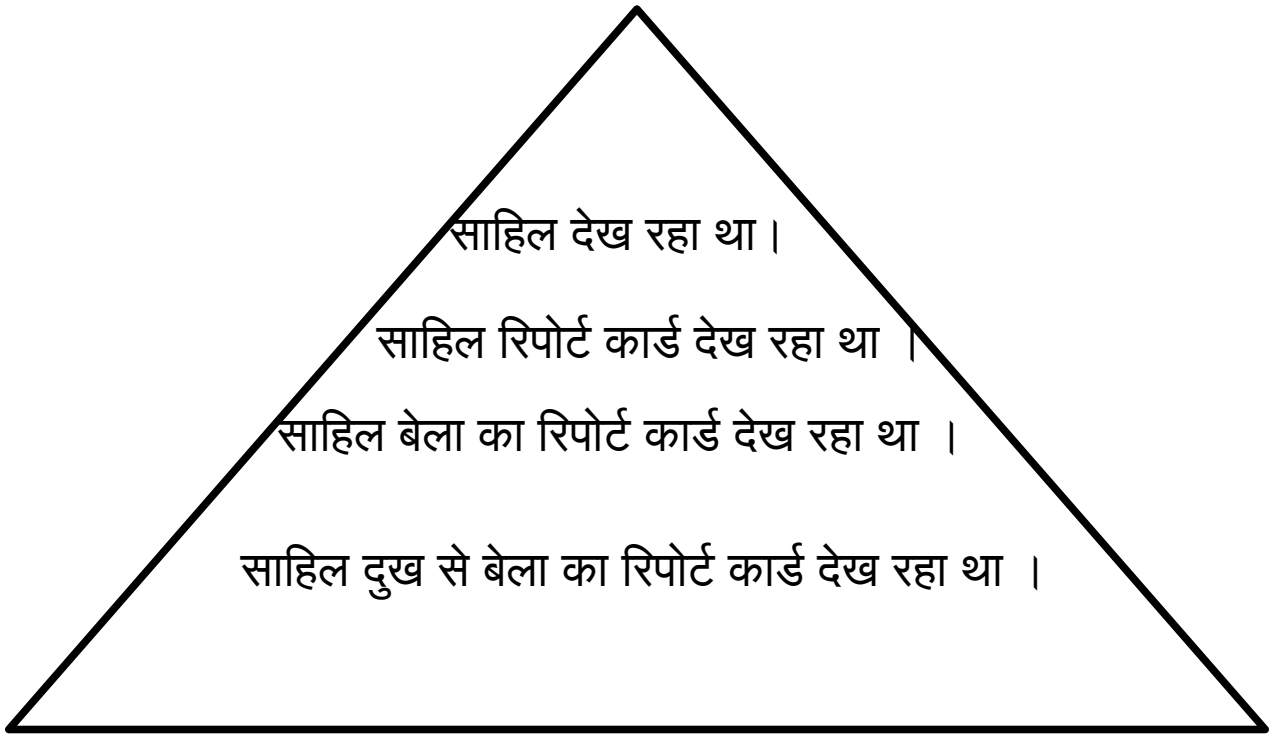

6. "**पहली घंटी** "में विशेषण शब्द कौन सा है ?

पहली ।

6. **साहिल** के स्थान पर **बेला** का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

साहिल रिपोर्ट कार्ड देख रहा था ।

बेला रिपोर्ट कार्ड . . . . . ।

11. हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था ।

सारांश

हिंदी के महान कवि विनोद कुमार शुक्ल की कविता ।
कविता पर नरेश सक्सेना की आस्वादन टिप्पणी ।
कविता मनुष्य को मनुष्य की तरह जानने की प्रेरणा देती है ।
किसी व्यक्ति के नाम , पता , उम्र , जाति , ओहदे आदि जानने की आवश्यकता नहीं , उसकी निराशा , असहायता या संकट को जानना है ।
उसकी इस हालत पर सहायता करना सच्चे मनुष्य का कर्तव्य है ।
मनुष्यों के बीच मनुष्यता से व्यवहार करना ' जानना' का सच्चा अर्थ है ।
मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास या मानवीय संवेदना होनी चाहिए ।

1. सूचना के आधार पर अवयवदान के महत्व पर लघु लेख लिखें ।

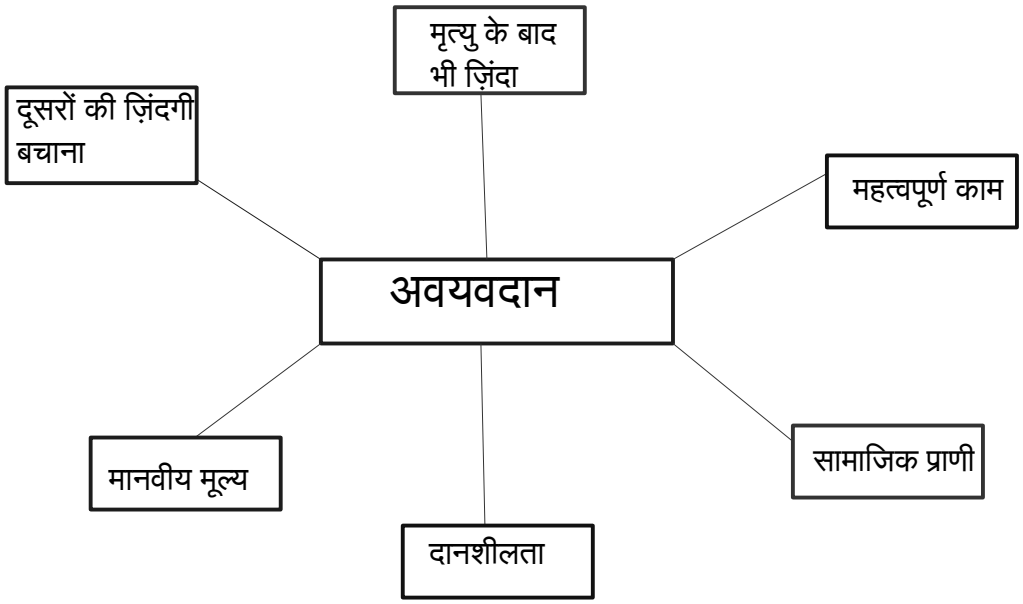

अवयवदान महादान

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है ।इसलिए दूसरों की सहायता करना उनका कर्तव्य है ।प्यार ,त्याग ,दया भाईचारा ,दानशीलता ,अवयवदान आदि मानवीय मूल्य अपनाना चाहिए ।इनमें अवयवदान एक महत्वपूर्ण काम है ।इससे मृत्यु के बाद भी हम जी सकते हैं। उसके साथ दूसरों की ज़िंदगी भी बचा सकते हैं।

---

2. "**नेत्रदान महादान**" विषय पर पोस्टर तैयार करें।

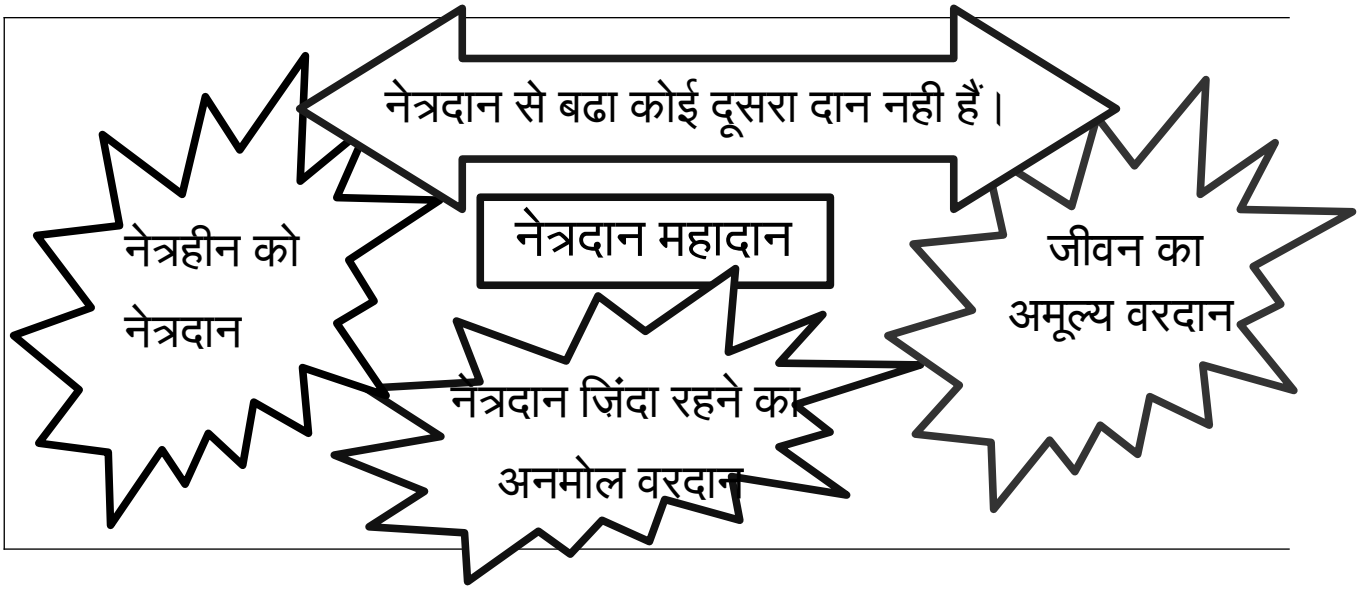

111. टूटा पहिया

साराँश

हिंदी के महान कवि धर्मवीर भारती की विख्यात कविता ।
टूटे पहिए को अनुपयोगी समझकर मत फेंकना ।
अपने मार्ग को असत्य जानते हुए भी बड़े- बड़े महारथियों ने अभिमन्यु को आक्रमण किया ।
इस समय अभिमन्यु टूटे पहिये को हथियार बनाकर उनके ब्रहमास्त्रों से लोहा लेता है।
इसप्रकार आज के उपेक्षित और शोषित मानव की रक्षा के लिए टूटे पहिए रूपी मानव मूल्य की सहायता लेनी पड़ेगी ।
इसलिए टूटे पहिए को मत फेंकें।

रूपरेखा(टिप्पणी)

- ➔ कवि का परिचय और रचना का मूल उद्देश्य।
- ➔ कविता का आशय।
- ➔ भाषा और रचना की विशेषताऐं।
- ➔ विशेष पंक्तियों का उल्लेख।
- ➔ शीर्षक की सार्थकता।
- ➔ निष्कर्ष

1. "अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बडे बेडे महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें।" इन पंक्तियों के आधार पर नीचे की सूचनाओं से टिप्पणी लिखिए ।

➔ महाभारत युद्ध
➔ महारथियों का आक्रमण
➔ निरायुध अभिमन्यु
➔ ब्रह्मास्त्रों से मारना
➔ शासक वर्ग का कुचलना

कविता पर टिप्पणी

आधुनिक हिंदी साहित्य के एक प्रमुख कवि श्री धर्मवीर भारती की एक बहुचर्चित कविता है ‘‘टूटा पहिया" ।पुराण पर आधारित एक प्रतीकात्मक रचना है यह ।इस कविता में टूटा पहिया लघु और उपेक्षित मानव का प्रतीक है।

प्रस्तुत पंक्तियों में महाभारत युद्ध के अधर्म की ओर संकेत किया है । यहाँ कौरव पक्ष के महारथी निरायुध अभिमन्यु पर आक्रमण करते हैं।निरायुध पर आक्रमण करना सत्य के विरुद्ध है ।महारथी यह असत्य जानकर भी अभिमन्यु को कुचल दोना चाहता है ।

कवि कहना चाहते हैं कि अंतिम विजय अधर्मियों का नहीं ,धर्मियों का है।

2. नीचे दिए आशयवाली पंक्तियाँ कवितांश से चुनकर लिखें।

(क) बालक अभिमन्यु को महारथियों की मुकाबला करने के लिए टूटे पहिए का सहारा मिला।

तब मैं

रथ का टूटा हुआ पहिया

उसके हाथों में

ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ।

इकाई 2.

1. आई एम कलाम के बहाने

सारांश

हिंदी के महान रचयिता मिहिर पांडेय का फिल्मी लेख |
आई एम कलाम नामक फिल्म देखने पर लेखक के मन में अपने वचपन की याद आती है ।
मोरपाल मिहिर के बचपन का मित्र था |
दोनों का स्वभाव भिन्न है |
मिहिर को स्कूल जाना और यूनीफॉर्म पहनना पसंद नहीं था ।
लेकिन मोरपाल स्कूल जाते समय और छुटिटयों के समय भी यूनीफॉर्म पहनना पसंद करता है।
वह अपने मोहल्ले के किसी शादी में भी यूनीफॉर्म पहनकर जाता था।
****
आई एम कलाम फिल्म के दो पात्र छोटू उर्फ कलाम और रणविजय के स्वभाव भी भिन्न हैं।
छोटू गरीब परिवार का है ।
रणविजय ढाणी के राणा का बेटा है।
छोटू राष्ट्रपति कलाम के जैसे बनना चाहता है ।

रणविजय स्कूल जाना पसंद नहीं करता है ।
छोटू रणविजय की दोस्ती पर ज़ोर देता है।
इसलिए चोरी के झूठे आरोप को सहन करता है।
फिल्म के अंत में छोटू अपने लक्ष्य पर पहुँचता है।

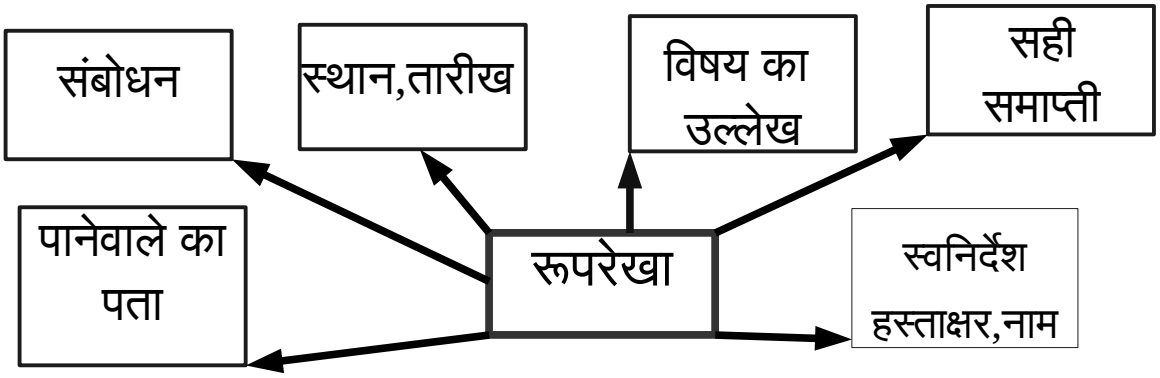

1. आई एम कलाम फिल्म देखने के बाद मिहिर ने मोरपाल को पत्र लिखा ।वह पत्र कैसा होगा ? सूचना के आधार पर लिखिए ।

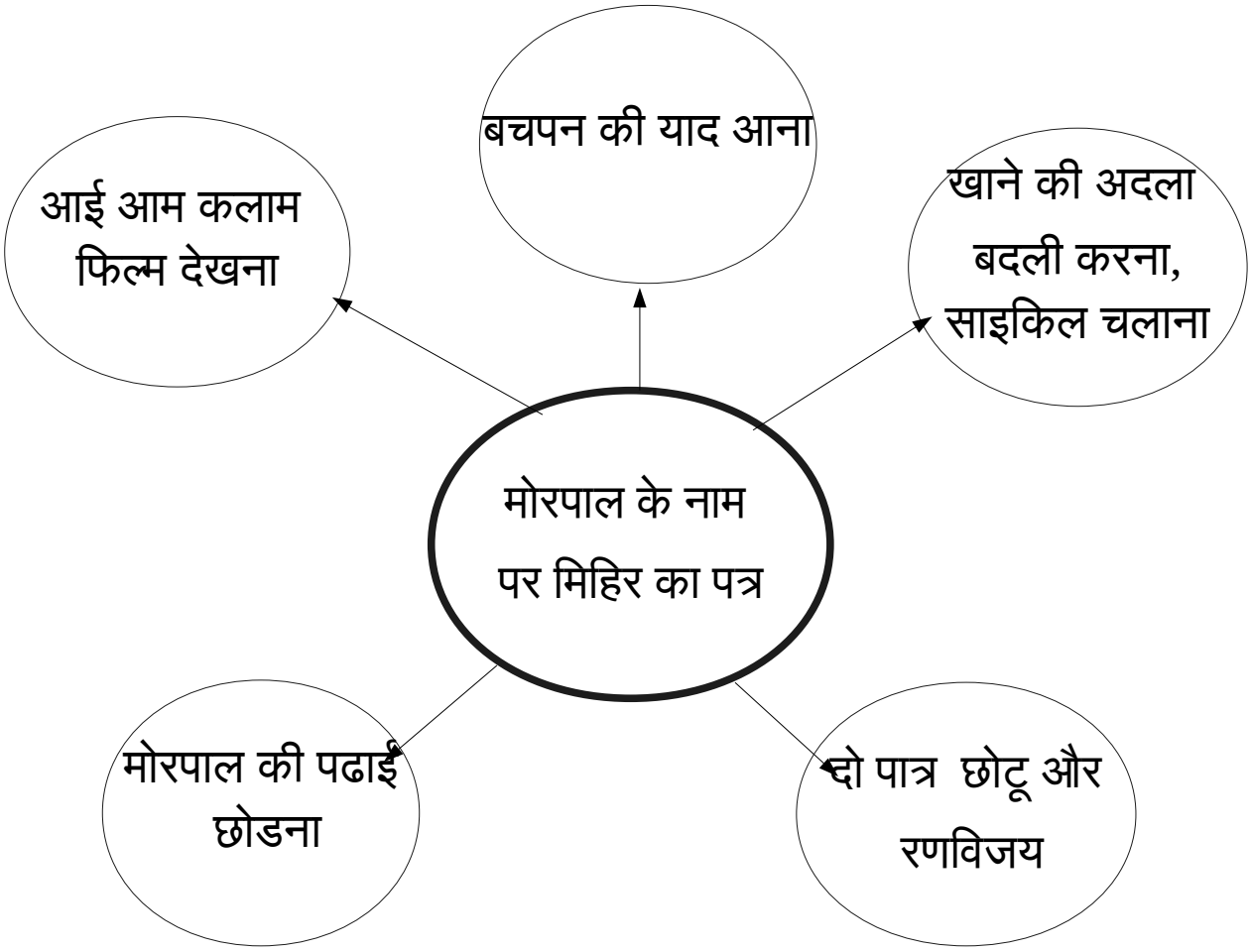

स्थान,

तारीख

प्रिय मित्र मोरपाल,

तुम कैसे हो ? ठीक है न ? घर में सब कुशल है न ?

पिछले हफ्ते मैं ने "आई एम कलाम" फिल्म देखा ।उस फिल्म के प्रमुख पात्र दो बच्चे हैं ,छोटू और रणविजय ।तब मुझे हमारे बचपन की याद आई ।खाने की अदला-बदली, साइकिल चलाना आदि का।अब हम कब मिले? मेरी आशा है कि तुम अपनी पढ़ाई ज़ारी रखें।

जवाब की प्रतीक्षा में।

सेवा में

नाम

पता

आपका मित्र

हस्ताक्षर

मिहिर

---

2. संबंध पहचाने सही मिलान करें।

आई एम कलाम	राणा का बेटा
मोरपाल	चाय में जादू
रणविजय	नील माधव पांडा
छोटू	एकमात्र स्कूल यूनिफाँम

3.आई आम कलाम फिल्म का प्रदर्शन होनेवाला है ।नीचे दिए सूचनाओं के आधार पर एक पोस्टर तैयार कीजिए ।

4. उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरमिड की पूर्ती करें।

(हाथ की बनाई, मोरपाल के)

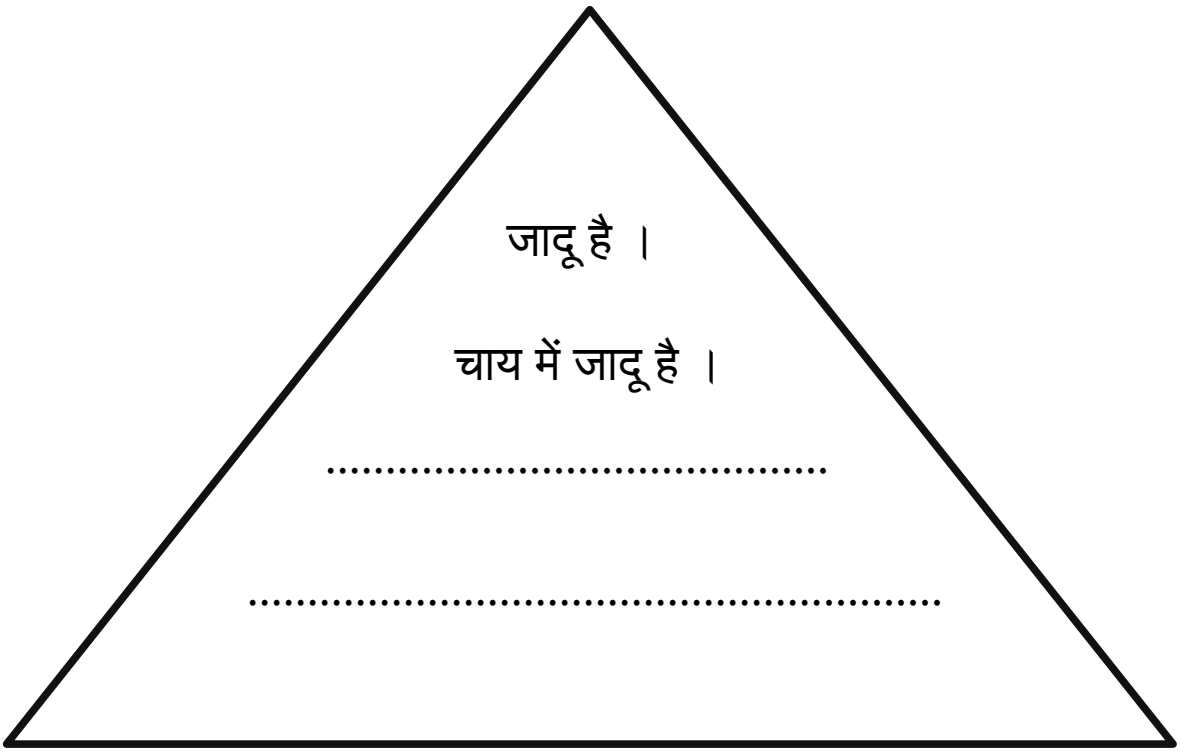

2.सबसे बडा शो मैन

साराँश

हिंदी के महान कवि और जीवनीकार गीत चतुर्वेदी से लिखी गई चार्ली चाप्लिन की जीवनी का अंश |
एक दिन थियटर में गाना गाते समय चार्ली चाप्लिन की माँ की आवाज़ खराब हो गई ।
यह सुनकर लोग चिल्लाने लगे।
माँ ने मैनेजर के निर्देशानुसार चार्ली को स्टेज पर भेजा |
चार्ली ने वहाँ खड़े होकर मशहूर गायक जैक जोन्स का गाना गाया, दर्शकों से बातें की , नृत्य किया और अपनी माँ सहित अनेक गायकों की नकल उतारी।
लोगों ने उसको पैसे देकर खुशी से तालियाँ बजाई ।
स्टेज पर चार्ली का पहला दिन था और माँ का अंतिम दिन ।
कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ़ की ।
यहाँ सबसे बड़े शो मैन का उदय हुआ।

1.रपट -रूपरेखा

- आकर्षक शीर्षक
- घटना का विवरण(क्या ,कौन,कब,कैसे,कहाँ आदि प्रश्नों के उत्तर देने लायक)
- लेखक का अपना दृष्टिकोण
- वस्तुनिष्ठ

1. नीचे की सूचना के आधार पर रपट तैयार कीजिए।

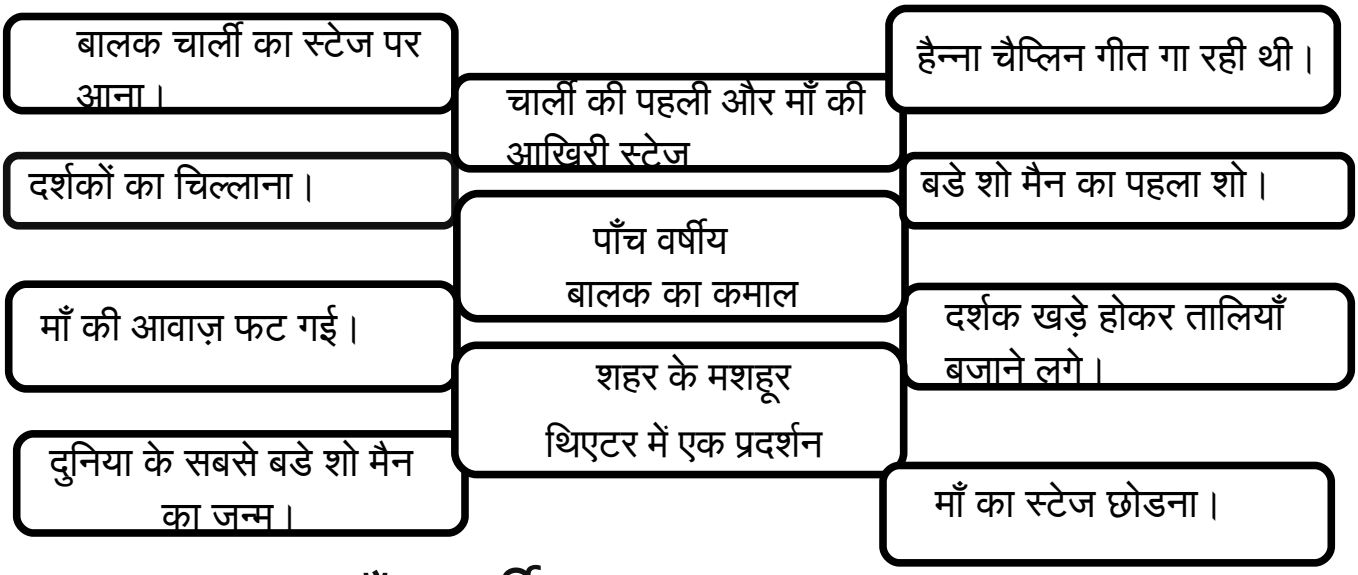

1.पाँच वर्षीय बालक का कमाल

लंदन : आज शहर के मशहूर थिएटर में एक प्रदर्शन चल रहा था। वहाँ हैन्ना चैप्लिन गीत गा रही थी। अचानक उसकी आवाज़ फट गई। दर्शकों के शोर से उसे स्टेज छोड़ना पड़ा। उसके स्थान पर पाँच साल का उसका बेटा चार्ली स्टेज पर आ गया। उसने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया। दर्शक खड़े होकर तालियाँ बजाने लगे। चार्ली की पहली और माँ की आखिरी स्टेज था। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह बालक कल बडा शो मैन बन जाएगा।

2.चार्ली की माँ की डायरी

स्टेज छोडना ◆ आश्चर्य और हर्ष ◆ स्टेज पर पैसों की वर्षा । ◆ थिएटर में गाना ◆ दुःख का दिन था। ◆ दर्शकों का तालियाँ बजना ◆ स्टेज पर भेजने केलिए तैयार होना ◆ अचानक मेरी आवाज़ फट गई ◆ चालीं को स्टेज पर छोडना ◆ दर्शको का शोर मचाना

तारीख

आज मेरे लिए दुख का दिन था। साथ ही आएचर्य और हर्ष का भी। .....

.....

.....

.....

.....

3.सही मिलान कीजिए।

माँ गीत गा न सकी	इसलिए उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद की।
मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था	इसलिए माँ चाली को स्टेज पर भेजने से डर गई।
सामने उग्र भीड थी।	इसलिए लोग चिल्लाने लगे।

माँ गीत गा न सकी	इसलिए लोग चिल्लाने लगे।
मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था	.....
सामने उग्र भीड थी।	.....

4. नीचे की सूचना के आधार पर चार्ली चैप्लिन और माँ के बीच की बातचीत को आगे बढाएँ।

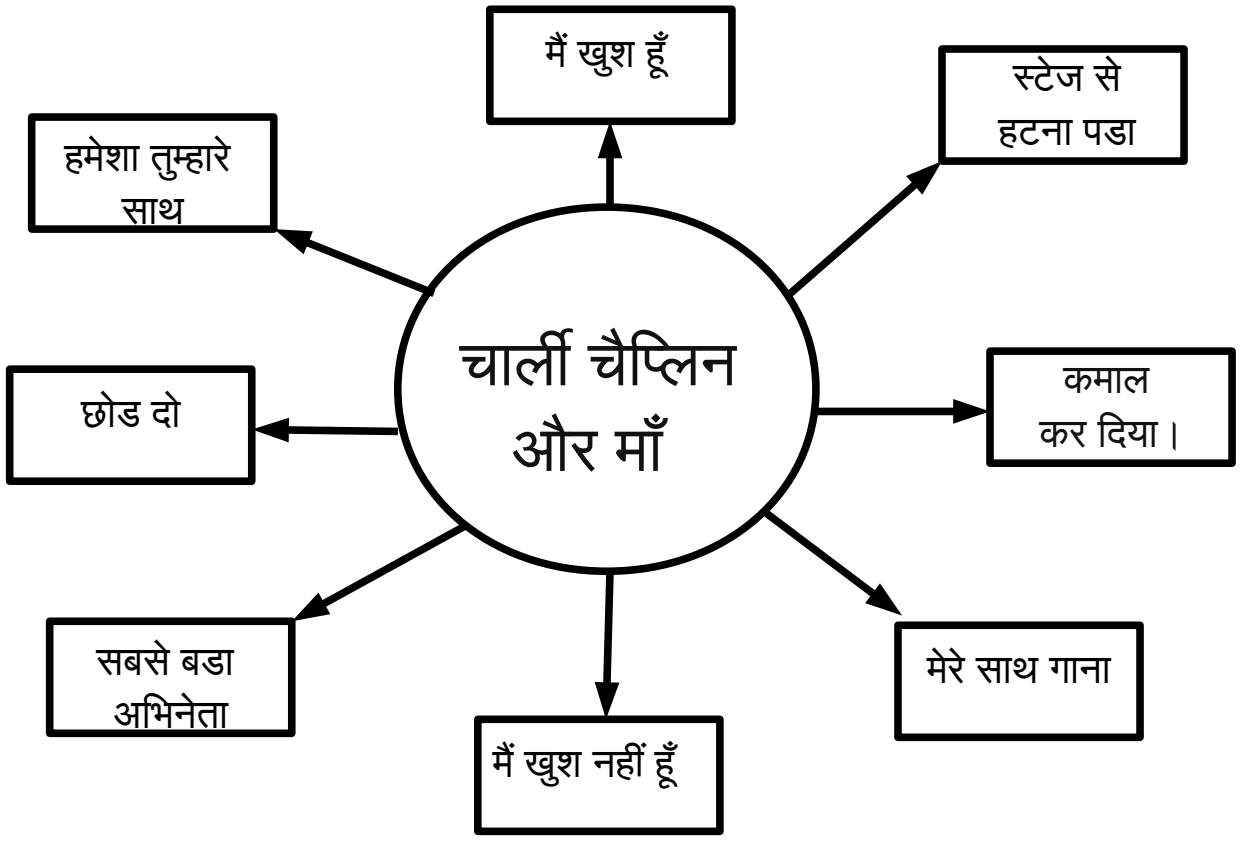

माँ : बेटा, आज तूने कमाल कर दिया।

बेटा : मैं खुश नहीं माँ ।

माँ : क्यों ?

बेटा : माँ,आप को स्टेज से हटना पडा ?

माँ : छोड दो बेटा ,आज तुम सबसे बडा अभिनेता बन गया ।

बेटा : माँ क्या आप मेरे साथ गाना गाएगी ?

माँ : मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूँगी।

बेटा : मैं खुश हूँ।

इकाई 3

1. अकाल और उसके बाद

हिंदी के महान कवि नागार्जुन की कविता ।
अकाल के कारण घर में अनाज नहीं |
चूल्हा रोया | चक्की उदास थी ।
उनके पास कानी कुतिया सोई |
चूहे और छिपकलियाँ खाना न मिलने के कारण निराश थे।

कई दिनों के अकाल के बाद घर में दाने आए।
घर के ऊपर धुआँ उठने लगा ।
खुशी से घर के लोगों की आँखें चमकने लगीं |
कौए घर के पास आकर पंख खुजलाने लगे ।
सारी जगहों पर खुशी व्याप्त होने लगी।

1. सूचना के आधार पर अकाल के बारे में लघु लेख लिखिए।

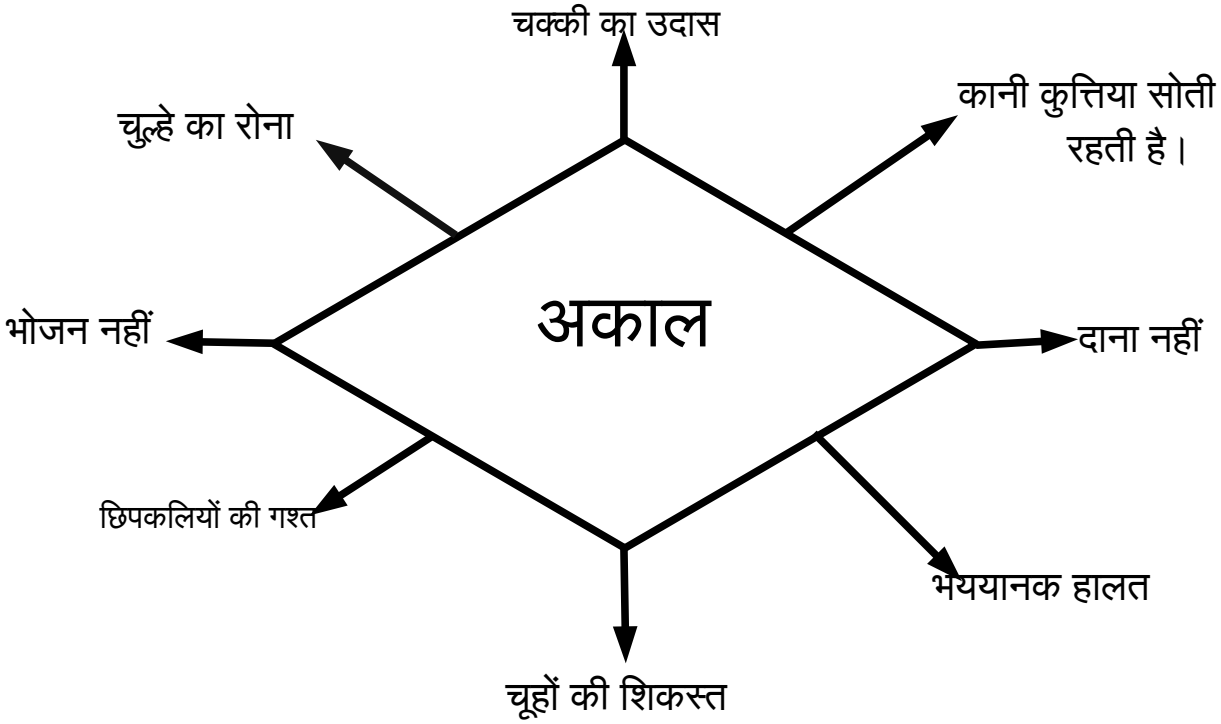

अकाल

यहाँअकाल के भीषण समय का वर्णन किया है।अकाल के कारण कई दिनों से घर में दाना नहीं था। इसलिए खाना पकाने केलिए चूल्हा नहीं जलता और दाना पीसने के लिए चक्की का उपयोग भी नहीं करता। कानी कुतिया चूल्हे और चक्की के पास सो गई थी। वह भूख से परेशानथी। इसलिए खाने की प्रतीक्षा में वहीं सो गई थी। अकाल के कारण घर के सारे जीव-जंतु भूख से परेशान थे। छिपकलियाँ भी कीडों की तलाश में भीत पर इधर उधर चल रही थीं। अकाल में चूहों की भी हालत बहुत बूरी थी। चूहे भी भूख से हार गए हैं।

---

2. दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठीं घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।

नीचे लिखे सूचनाओं के आधार पर कवितांश की टिप्पणी तैयार कीजिए ।

कवि और कविता का परिचय ⟷ कई दिनों के बाद दाने आए । ⟷ आँगन से धुआँ उठा ।
सबकी आँखें चमक उठी | ⟷ कौए ने पंख खुजलाई |

3. ” कानी कुतिया ' ' में विशेषण शब्द कौनसा है ?

कानी

4. ऊपर के कवितांश से सही प्रस्ताव चुनकर लिखिए ।

कौआ खुशी से पंख खुजलाती है ।

चूल्हा रोती है ।

5. "पानी नहीं तो जीना नहीं " । सूचनाओं के आधार पर जल संरक्षण का संदेश देते हुए पोस्टर तैयार कीजिए ।

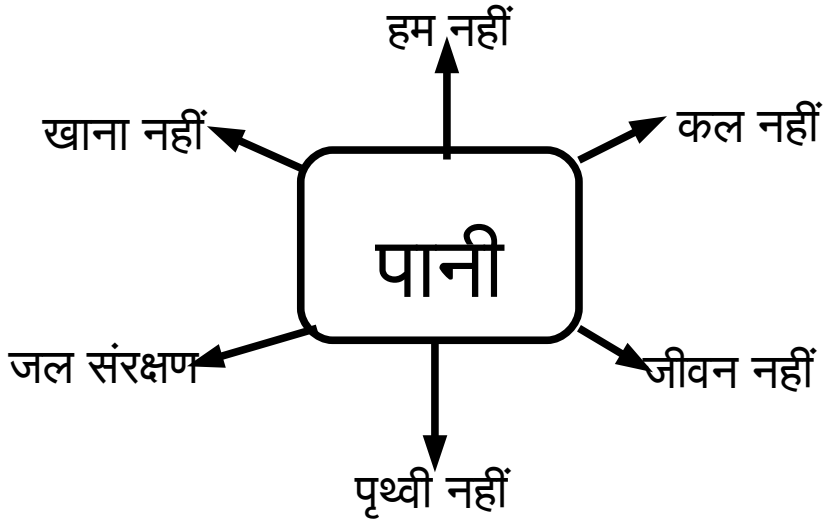

6. अकाल के क्या क्या कारण हो सकते है ? इस विषय पर सूचनाओं के आधार पर एक लेख लिखिए ।

- खेती का अभाव
- पानी की कमी
- पेडों की कटाई
- नदी नालों की प्रदूषण
- पर्यावरण प्रदूषण

ठाकुर का कुआँ

सारांश

विख्यात कहानीकार प्रेमचंद की कहानी |
जोखू बीमार है |
प्यास के कारण कुछ पानी पीने के लिए लोटा मुँह से लगाते समय उससे सख्त बदबू अती है।
उस गाँव में अन्य दो कुएँ है ,वे साहू और ठाकुर के हैं ।
बीमार पति जोखू को स्वच्छ पानी पिलाने के लिए गंगी ठाकुर के कुएँ के पास जाती है।
बड़ी कठिनाई से पानी के लिए प्रयत्न करने पर भी असफल हो जाती है।
जोखू को गंदा पानी पीना पड़ता है ।
जोखू और गंगी निम्न जाति के हैं।
ठाकुर और साहू उच्च वर्ग के हैं ।
निम्न जाति के लोगों को उच्च वर्ग के लोगों के कुएँ से पानी लेने की अनुमति भी नहीं थी।
यह कहानी जातिप्रथा के बारे में हैं।

1. जोखू लोटा मुँह से लगाया तो पानी से सख्त बदबू आई। गंगी से बोला। यह कैसा पानी है? नीचे लिखे सूचना के अनुसार जोखु और गंगी दोनों के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

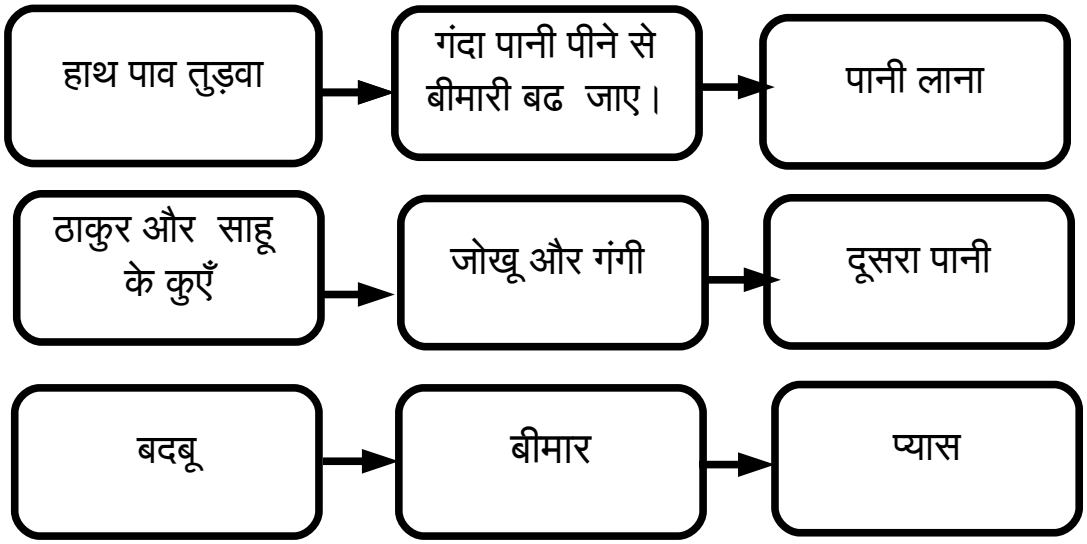

2. रात में गंगी दूसरा पानी लेने केलिए ठाकुर के कुएँ की ओर चली ।उस समय जोखू ने अपनी हालत के बारे में सोचा ।सूचना के आधार पर डायरी लिखें।

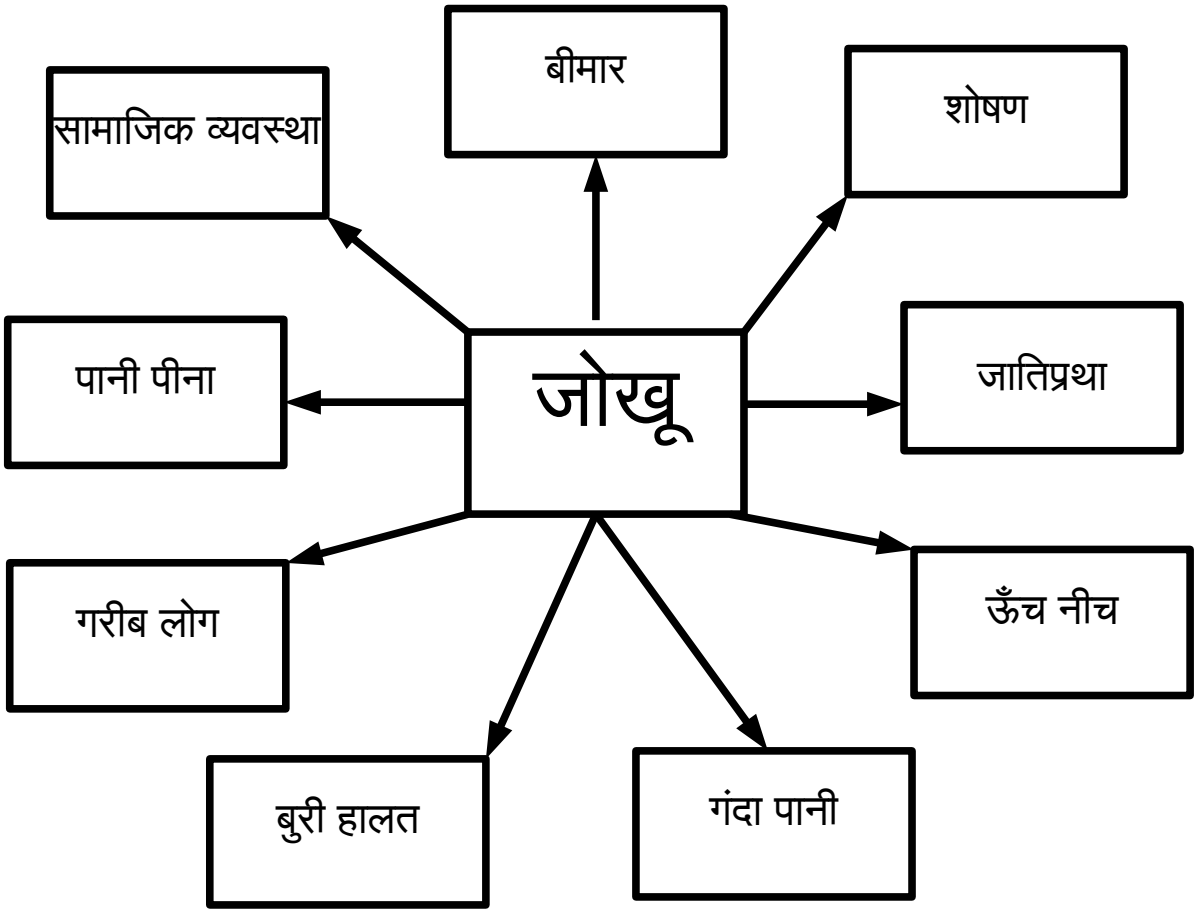

3. गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी ।घर पहूँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए गंदा पानी पी रहा है ।सूचना से पटकथा तैयार कीजिए ।

- ठाकुर का दरवाज़ा खोला।
- क्या पानी मिला ?
- कूदकर भागी।
- रात दस बजे ।
- बीमारी बढ जाएगी ।
- रात का समय
- गंदा पानी पिएगा।

4. " जाति प्रथा " एक आभिशाप है । सूचना के आधार पर पोस्टर तैयार करें ।

- हमारी जाति मानव जाति ।
- जाति का विवेचन छोड दो ।
- मानव की उन्नति अपनाओ ।
- ऊँच- नीच का भेद- भाव छोड दो ।
- हम सब ईश्वर की संतानें है ।

5. **" खराब पानी "** इसमें विशेषण शब्द कौन सा है ?

खराब

6. उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरमिड की पूर्ती करें।

(प्रतिदिन, गंगी)

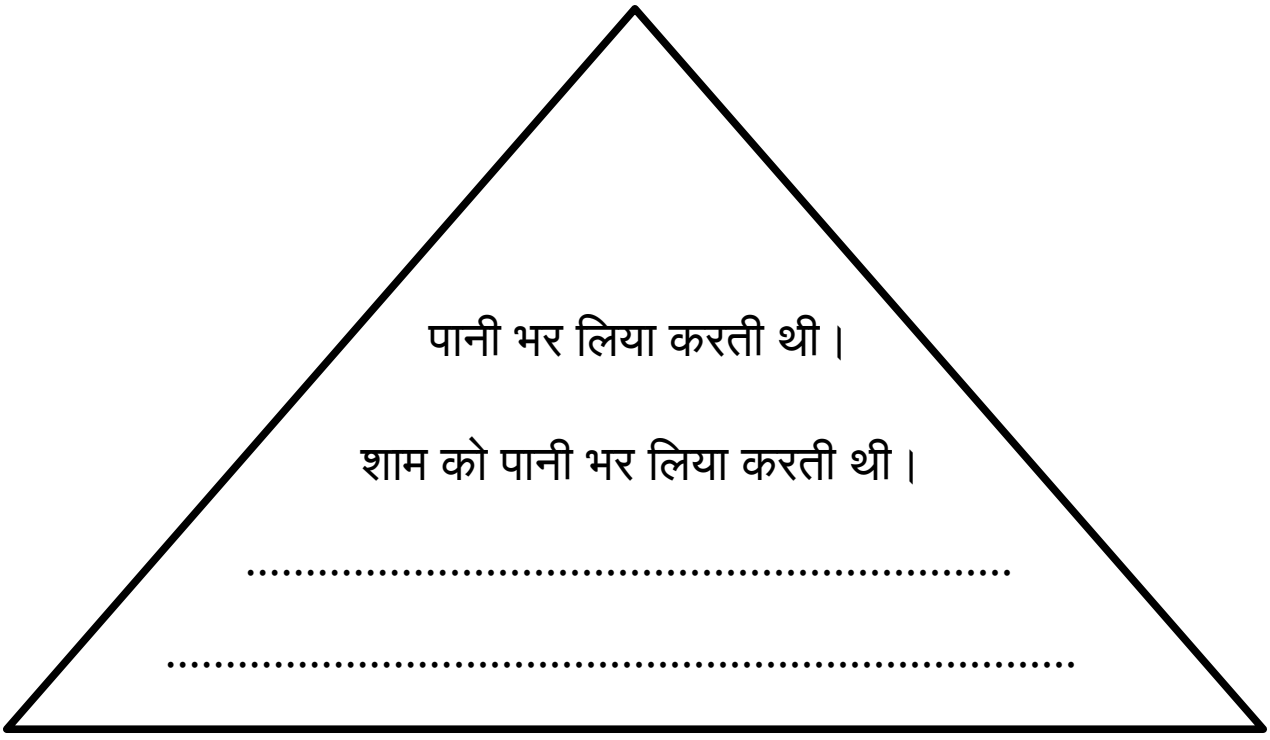

इकाई 4.

बसंत मेरे गाँव का

साराँश

हिंदी के कहानीकार मुकेश नौटियाल का लेख |
इस लेख में उत्तराखण्ड के बसंतकाल का चित्रण है |
विभिन्न महीनों में सूरज पंचाचूली , चौखंभा , नंदा पर्वत आदि पहाड़ों के समीप से उगलता है।
इस लेख में सीढ़ीनुमा खेतों की हरियाली का वर्णन है ।
फ्योंली पेड़ के फूलों की पीलाई , सरसों की पीलाई, बुराँस पेड़ के फूलों की लालिमा आदि देखने लायक है। बच्चों का विशेष ' फूलदेई के त्योहार' का वर्णन है ।
महीनों से घरों से दूर जानवरों को चरानेवाले पशुचारकों की मेहनत का वर्णन है।
वे करण , कीड़ाजड़ी , चुरू जैसी दुर्लभ हिमालयी औषधियाँ गाँवों में बेचते हैं।
गाँववालों की सच्चाई का चित्रण भी इसमें है |
बद्रीनाथ , केदारनाथ , गंगोत्री , यमुनोत्री आदि मंदिरों में अनेवाले तीर्थाटकों का वर्णन भी इसमें है।

1. सूचना के आधार पर पशुचारक और लेखक के बीच का वार्तालाप लिखिए।

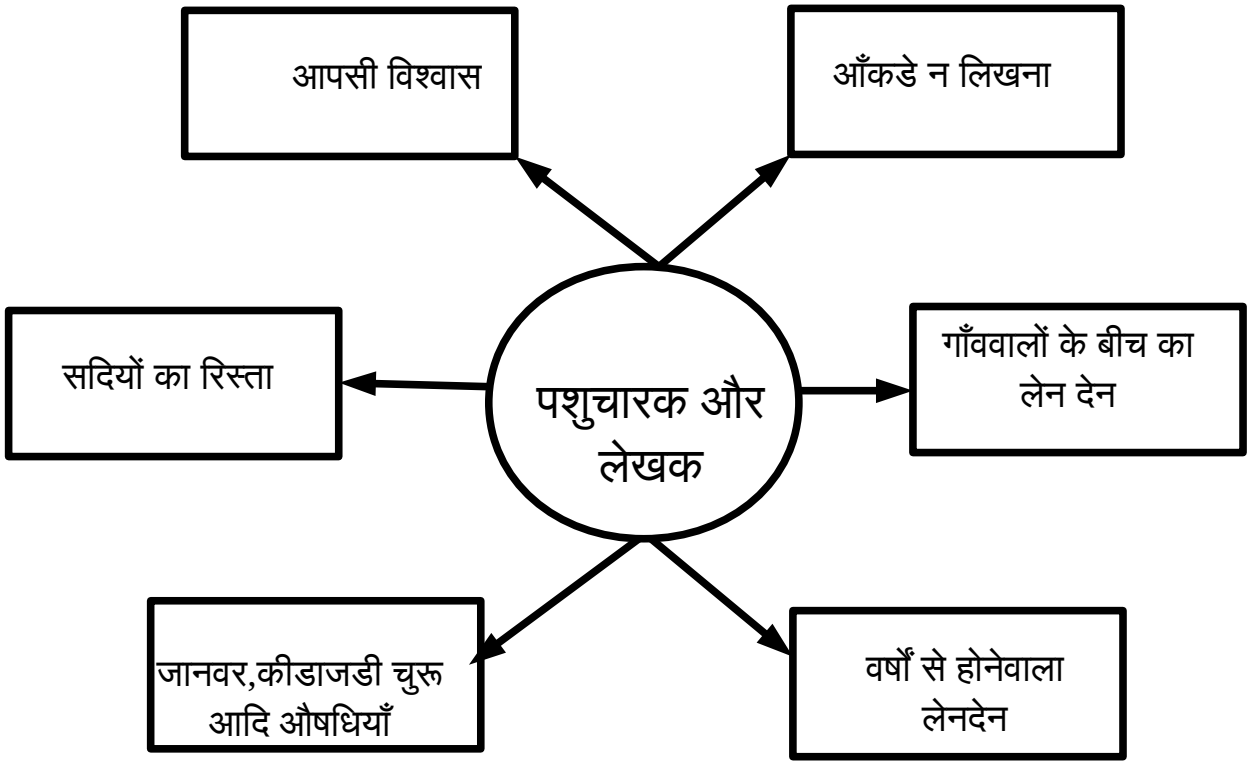

लेखक : मैं आपके गाँव के बारे में जानने आया हूँ।

पशुचारक : हाँ ।आप कौन ?

लेखक : एक लेखक । आप के गाँव के कुछ लेन देन के बारे में सुना।

पशुचारक : हम गाँववालों के बीच अनेक लेन देन है ।

लेखक : उसकी कोई विशेषता ?

पशुचारक : हम लेन देन का कोई आँकडा नहीं रखते ।

लेखक : तब धोखा देने की कोई संभावना ?

पशुचारक : नहीं सदियों का रिस्ता है ।आपसी विश्वास पर. . . . .

लेखक : आप क्या - क्या लेन देन करते हैं ?

पशुचारक : कई जानवर ,कीडाजडी, करण, चुरू आदि औषधियाँ|

लेखक : आपके आपसी विश्वास पर मुझे गर्व है ।फिर मिलें ।

2. पंचाचूली में फूलदेई के त्योहार का आयोजन हो रहा है । नीचे की सूचना से इसकेलिए एक पोस्टर तैयार कीजिए।

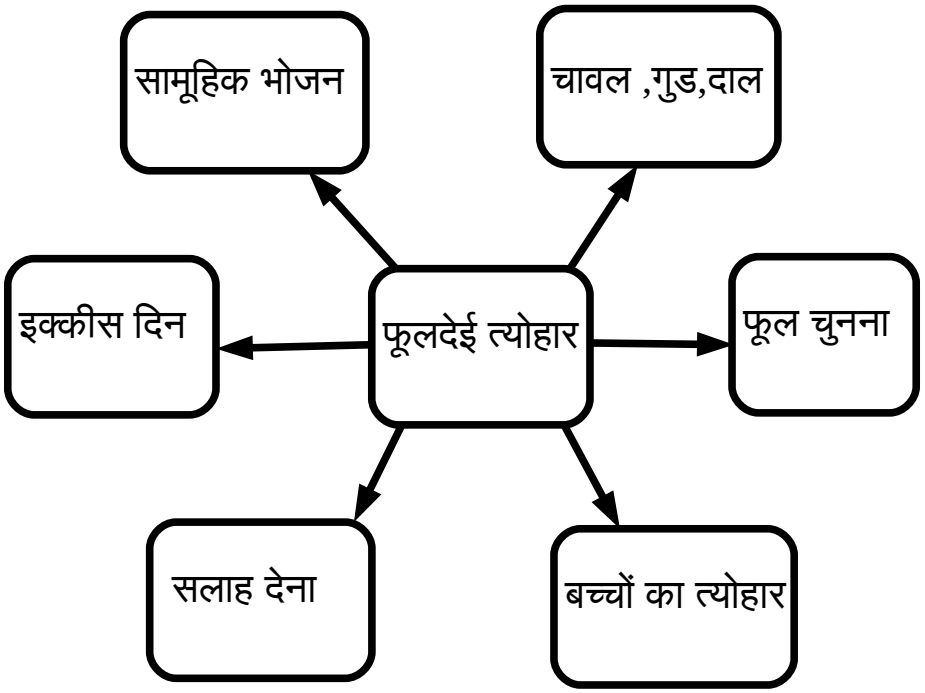

3. पोस्टर के आधार पर फूलदेई त्योहार का विवरण तैयार करें।

4. नमूने के अनुसार लिखें ।

जेठ शुरू **होता है** ।जेठ शुरू हो **जाएगा** ।

सडकें गाडियों से **भर जाती हैं।** सडक गाडियों से भर . . . . . .

5. दादी **कहती है** ।दादी **कहने लगी** ।

दादा **कहता है** ।दादा कहने . . . . . .

6. सही वाक्य पहचानकर लिखें।

बसंत बौराने लगती है।

बसंत बौराने लगता है।

बसंत बौराने लगते हैं।

बसंत बौराने लगती हैं।

7. उचित शब्द सही स्थान पर रखकर पिरमिड की पूर्ती करें।

(बुराँस के, फूल)

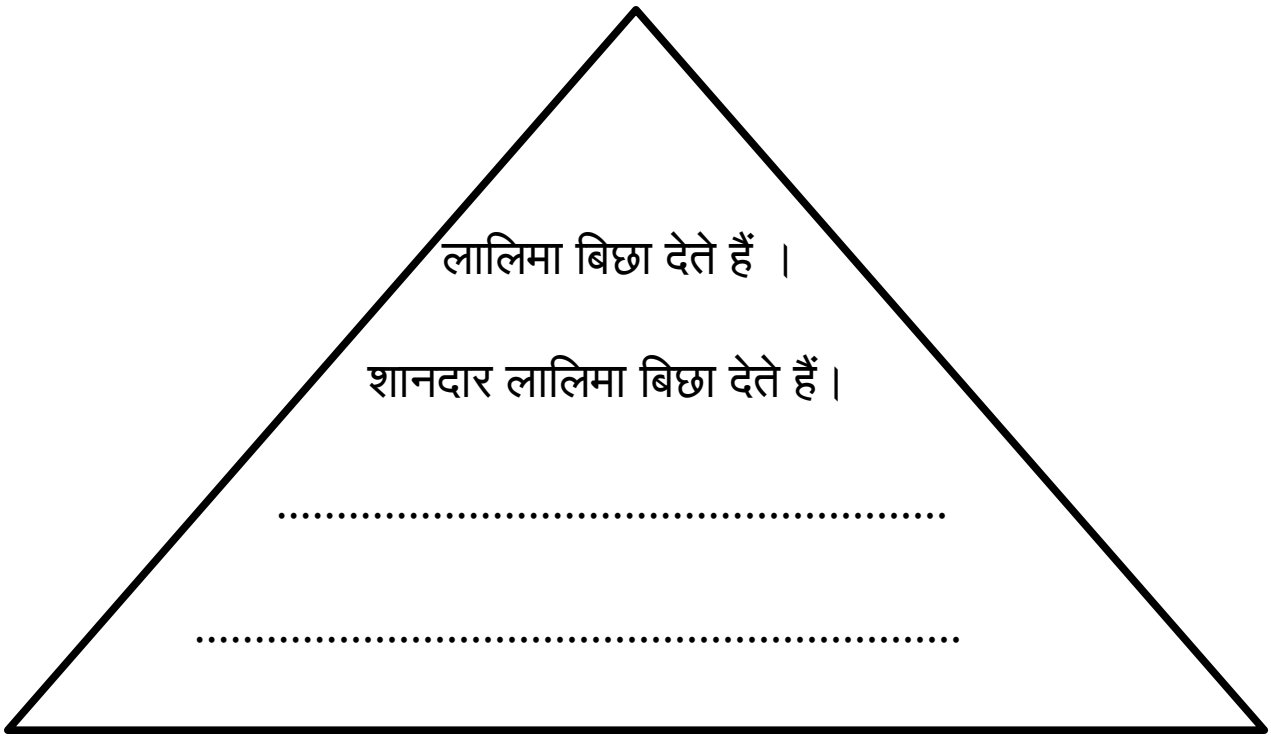

2. दिशाहीन दिशा

हिंदी के महान साहित्यकार मोहन राकेश के यात्रावृत्त का अंश ।
लेखक को यात्रा करने का बड़ा शौक है ।
यात्रा के लिए आवश्यक पैसा नहीं है, तो भी एक लंबी यात्रा करने का निश्चय करते हैं।
कहाँ से होकर यात्रा करें, वे इस कार्य पर असमंजस में पड़े रहे ।
बाद में निश्चय करते हैं कि मुंबई से होकर गोआ चलेंगे और अंतिम पड़ाव कन्याकुमारी हो ।
1952 दिसंबर 25 को वे यात्रा करते हैं ।
भोपाल स्टेशन पर अपना एक मित्र अविनाश से मिलता है ।
अविनाश के साथ एक दिन रहना पड़ता है ।
रात को अविनाश के साथ भोपाल झील की सैर करते हैं।
बूढ़ा मल्लाह अब्दुल जब्बार, अविनाश के इच्छानुसार तीन गज़ल गाता है ।
लेखक और अविनाश अब्दुल जब्बार के गज़ल गायन पर तल्लीन होते हैं।

1. संकेतों की सहायता से अब्दुल जब्बार के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

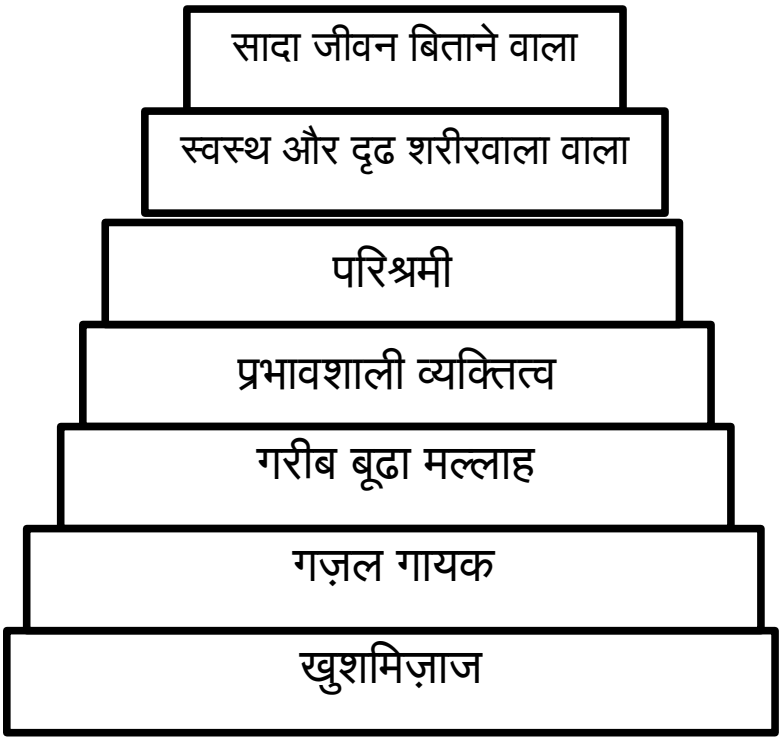

बूढा मल्लाह अब्दुल जब्बार

हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार श्री मोहन राकेश का यात्रावृत्त है दिशाहीन दिशा । इसके प्रमुख पात्र है अब्बुल जब्बार। वह भोपाल ताल का गरीब बूढा मल्लाह है । दिन- रात कठिन परिश्रम करनेवाला वह सादा जीवन बिताता है ।गरीब होने पर भी वह स्वस्थ और दृढ शरीरवाला है ।कठिन सर्दी में भी केवल एक तहमत लगाया था ।उसकी दाढी और छाती के बाल भी सफेद हो चुके थे ।वह एक गज़ल गायक और खुशी से रहनेवाला है।उसका व्यक्तित्व सबको अनुकरणीय और आकर्षक है ।

---

2. भोपाल ताल की सैर के अनुभवों का ज़िक्र करते हुए मित्र के नाम मोहन राकेश ने पत्र लिखा ।संकेतों से वह पत्र तैयार कीजिए ।

- मिर्ज़ा गालिब की गज़ल
- मित्र अविनाश से मिलना
- बूढा मल्लाह अब्दुल जब्बार
- समुद्र- तट की यात्रा
- एक गज़ल गायक
- यात्रा रेलगाडी से
- नाव की सैर करना

3. ऊपर की सूचनाओं के आधार पर मोहन राकेश की डायरी लिखिए।

4. नमूने के अनुसार वाक्य को बदलकर लिखें ।

मैं कुछ दिन रह **जाऊँगा**।मैं कुछ दिन रह **जाऊँ**।

रात को ठीक से सो **सकूँगा** ।रात को ठीक से सो . . . . ।

इकाई 5

बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

साराँश

हिंदी के महान कवि राजेश जोशी की कविता ।
यह कविता बालश्रम के बारे में है ।
बच्चे पढ़ने और खेलने के अवसर से वंचित हैं ।
उनसे दुकानों में , होटलों में और कारखानों में काम करवाते हैं।
सारे रास्तों पर चलनेवाले बच्चों के हाथों में किताबें या खिलौने नहीं , बल्कि काम करने के हथियार हैं । यहाँ बच्चों के लिए गेंदें , अन्य खिलौने , स्कूल, मैदान , बगीचे , घरों के आँगन आदि हैं ।
फिर भी बच्चे काम करने केलिए जा रहे हैं ।
यह सबसे भयानक कार्य है ।

1. सूचना के आधार पर बाल मज़दूरी के विरुद्ध एक पोस्टर तैयार कीजिए।

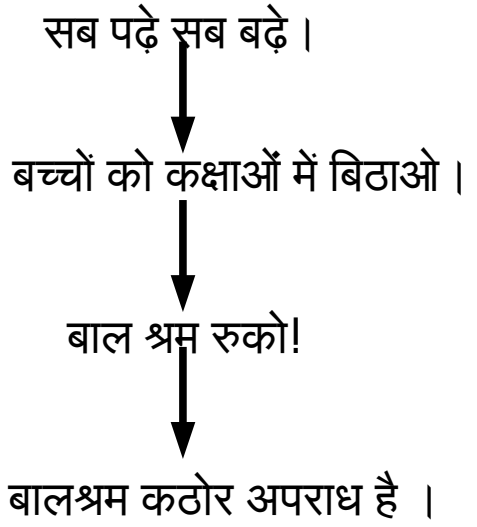

2. क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें

क्या दीमकों ने खा लिया है

सारी रंग- बिरंगी किताबों को

क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने

क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं

सारे मदरसों की इमारतें

" सारी रंग- बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया भी होगा।" ऐसे अर्थ मिलनेवाली पंक्तियाँ ऊपर के कविताँश से चुनकर लिखिए ।

3. नीचे की सूचना के आधार पर प्रस्तुत पंक्तियों का आशय लिखें |

सारे खिलौने काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं?⟶ बच्चे काम पर जा रहे हैं।

बालश्रम आज की बहुत बडी समस्या है |⟶सारे मदरसों की इमारतें भूकंप में ढह गई हैं?⟶सारी रंग- बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया हैं. |⟶ सारी गेंदें अंतरिक्ष से गिर गई हैं?

2. गुठली तो पराई है

साराँश

विख्यात लेखिका कनक शशि की कहानी ।
लड़की दूसरों की अमानत नहीं है ।
एक ही परिवार के बच्चों को समान अधिकार है।
बुआ के मतानुसार लड़की दूसरे घर की अमानत है ।
गुठली की माँ, बुआ के मत से सहमत होने पर वह निराश होती है ।
गुठली की दीदी की शादी के कार्ड में अपना नाम न छपवाने के बारे में ताऊजी से प्रश्न उठाती है ।
शादी के बाद दीदी एकदम बदल चुकी थी।
लेकिन भैया पहले के जैसे हैं।
अंत में इस कहानी का मुख्य पात्र गुठली भैया को सारी वस्तुएँ संभालने की बात कहकर परिवारवालों को करारा जवाब देती है।

1. . गुठली अपने मन की बातें सहेली को बताना चाहती है ।सूचना के आधार पर सहेली के नाम गुठली का पत्र लिखिए।

2. गुठली अपने विचारों को डायरी में लिखती है।सूचना पढ़कर गुडली की वह डायरी कल्पना करके लिखें।

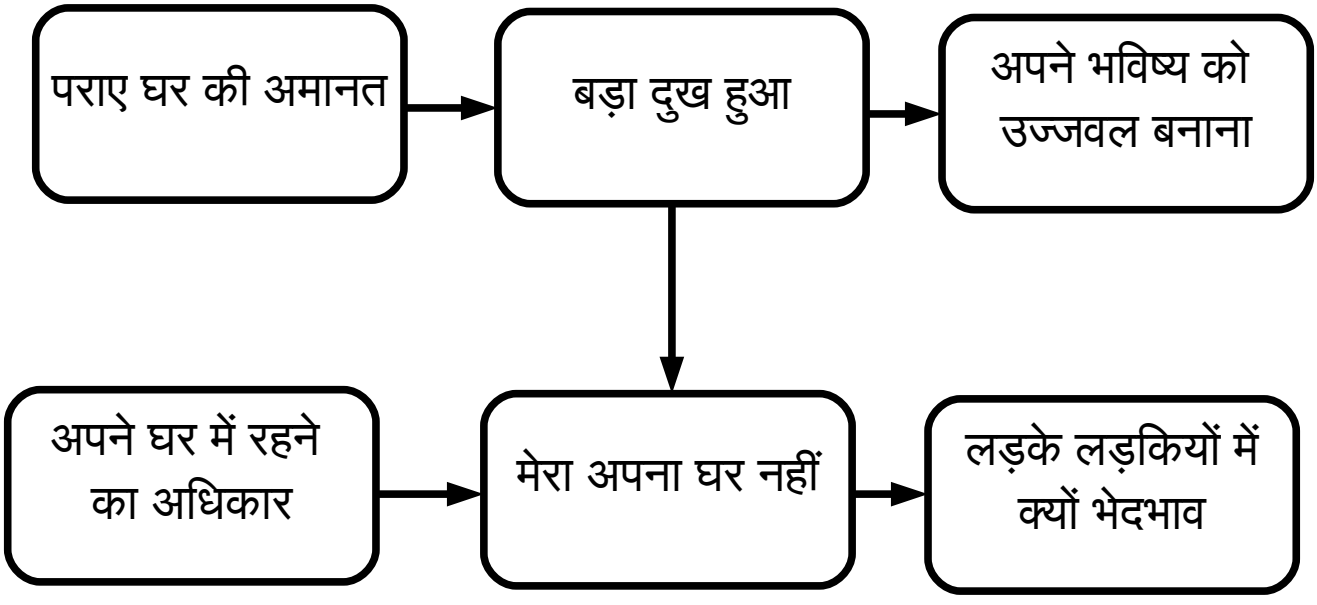

3. नीचे दिए सूचना पढकर गुठली और ताऊ जी के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखिए।

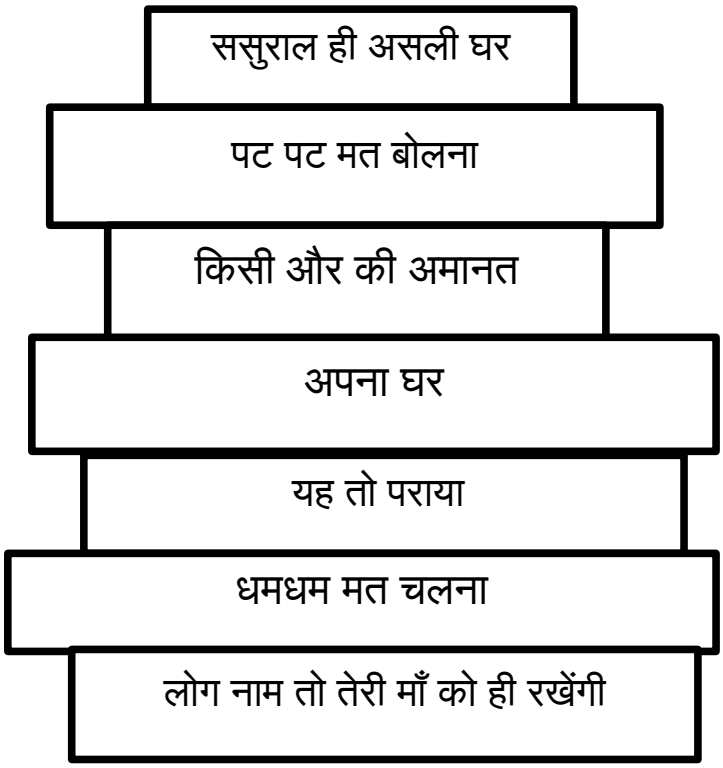

4. " गुठली तो पराई है "कहानी का नाटकीकरण होनेवाला है । इसकेलिए एक पोस्टर तैयार कीजिए।

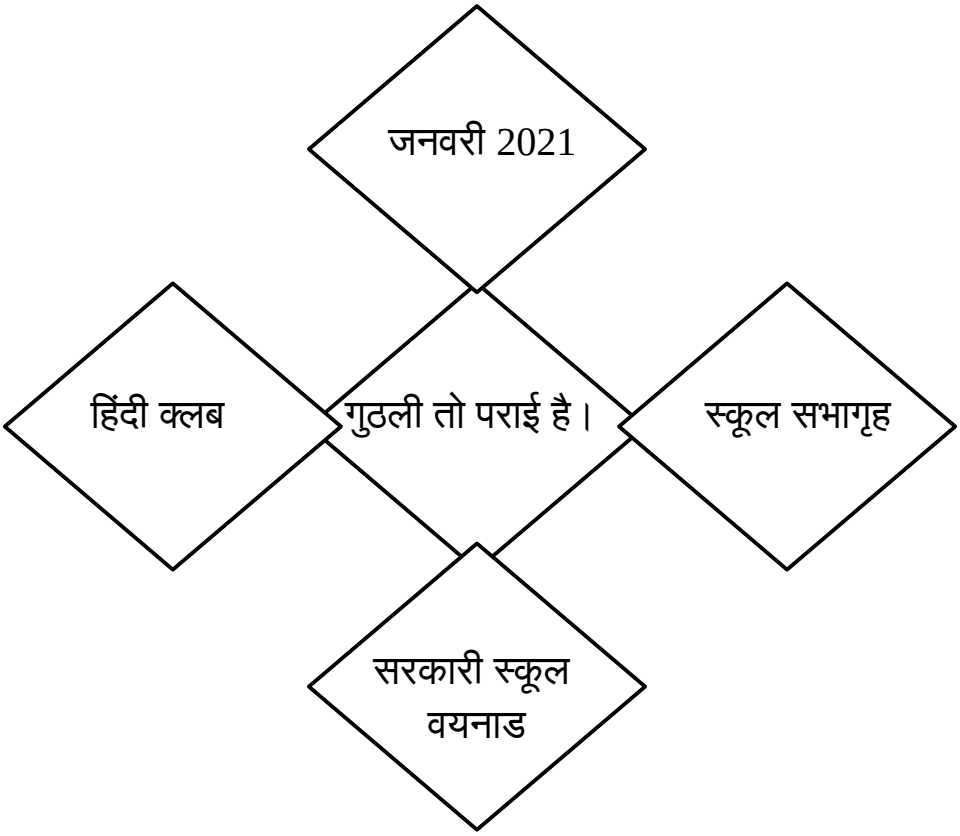

5. कोष्ठक के शब्दों से पिरमिड की पूर्ती कीजिए ।

(भैया, मेरा नाम)

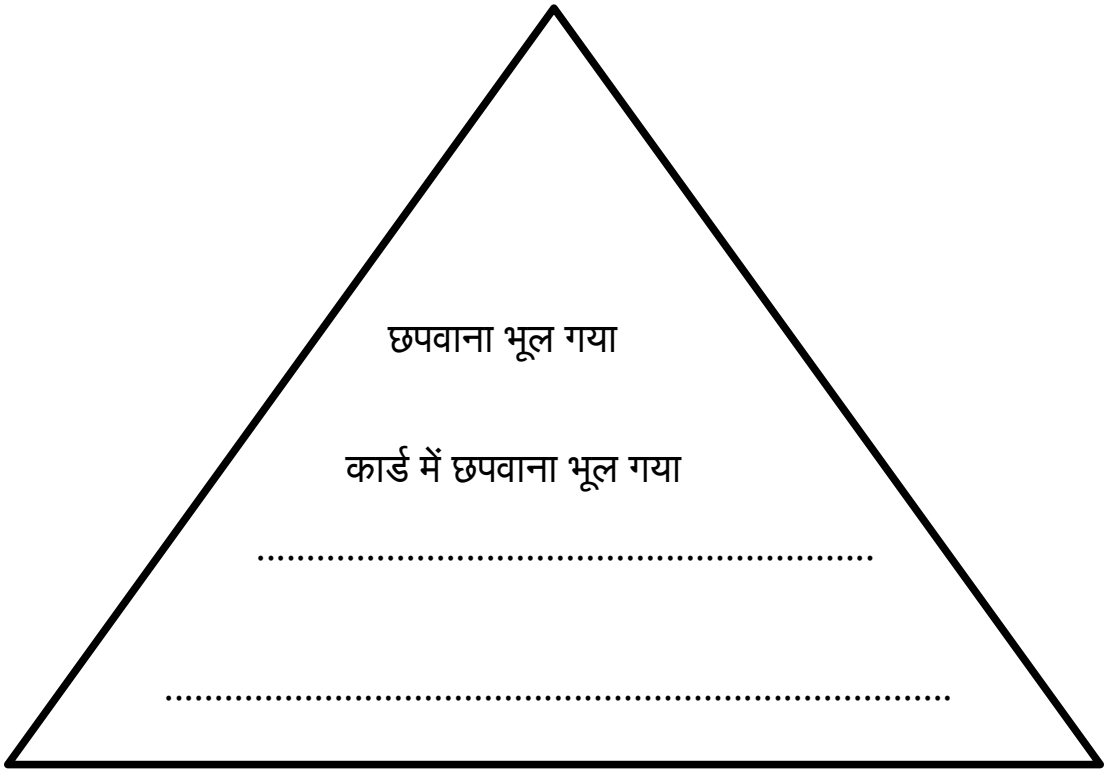

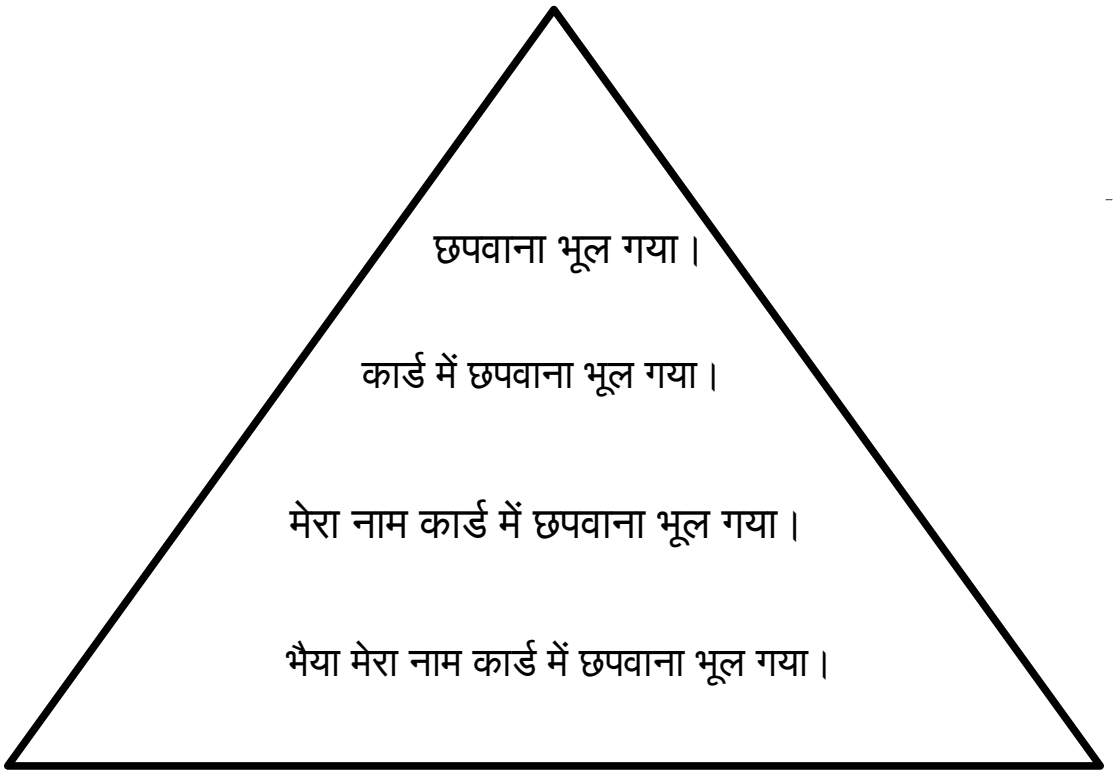

अभ्यास केलिए ।

1. बीरबहूटी

1.“साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे ?” बेला ने पूछा।“और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला ” साहिल ने पूछा। सूचना के आधार पर वार्तालाप को आगे बढाएँ ।

- बेला की आँखों में आँसू आना ।
- पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आना।
- साहिल अजमेर के हॉस्टल में ।
- रिपोर्ट कार्ड देखना।
- बेला राजकीय कन्या पाठशाला में।

2.साहिल ने अजमेर में पढाई शुरू की ।वहाँ से उसने बेला को पत्र लिखा ।वह पत्र कल्पना करके लिखिए ।

- अलग होने से दुख ।
- नये दोस्त और अध्यापक।
- बीरबहूटियाँ खोजना ।
- दोस्ती की यादें ।
- गणित के माटसाब का व्यवहार ।

3. विशेषण शब्द चुनकर लिखिए ।

गीली हवा	.....
हरे खेत	.....
छोटा बाजरा	.....
प्यारी बूँदें	.....
नीली स्याही	.....

4.कहानी के आधार पर सही मिलान कीजिए।

बीरबहूटियाँ	बीरबहूटी की तरह लाल
साहिल की आँखें	बारिश की बूँदें जैसे
साहिल के आँसू	खून की बूँदों की तरह लाल

2. हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था।

1.तालिका की पूर्ती करें....

'जानने ' के रूढीग्रस्त आधार	'जानने ' के असली आधार
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

'जानने ' के रूढीग्रस्त आधार	'जानने ' के असली आधार
नाम से जानना	किसी के दुख को जानना
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2.सही जोडे बनाए ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था	जानने का सही अर्थ।
विनोद कुमार शुक्ल की कविता में	नाम, पते, ओहदे, उम्र आदि से जानना।
जानी -पहचानी रुढ़ी	मौलिकता है।
हताशा ,निराशा, असहायता या संकट से जानना	सहायता की ज़रूरत है।
मुसीबत में पडे व्यक्ति को	विनोद कुमार शुक्ल की कविता।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था	विनोद कुमार शुक्ल की कविता।
विनोद कुमार शुक्ल की कविता में	.....
जानी -पहचानी रुढ़ी	.....
हताशा ,निराशा, असहायता या संकट से जानना	.....
मुसीबत में पडे व्यक्ति को	.....

टूटा पहिया

1. कविता में ‘‘लोहा लेना " प्रयोग का मतलब क्या है?

   (क) सामना करना (ख) पीछे जाना

2. ब्रहमास्त्र किनके हाथों में है ?

   (क) शोषकों के. (ख) शोषितों के

3. अकेली निहत्थी आवाज़ का प्रतीकात्मक अर्थ किसकी ओर सूचित करता है ?

   (क) शोषकों की ओर (ख) शोषितों की ओर

4. सही मिलान कीजिए।

अभिमन्यु	अधर्मी, अन्यायी और शोषक
टूटा पहिया	समस्याएँ
महारथी	धर्म के पक्ष में खड़े रहनेवाला
चक्रव्यूह	महाशक्ति
अक्षौहिणी सेना	लघु मानव

अभिमन्यु	धर्म के पक्ष में खड़े रहनेवाला
टूटा पहिया	.....
महारथी	.....
चक्रव्यूह	.....

अक्षौहिणी सेना	.....

अई एम कलाम के बहाने

1. कलाम (छोटू) ने डाँ कलाम के नाम पर एक पत्र लिखा ।वह पत्र कल्पना करके लिखें ।
   - चाय की दुकान का काम
   - नाम कलाम रखा
   - रणविजय से अपनी दोस्ती
   - लूसी मैडम का वादा
   - अपने लक्ष्य की पूर्ति
2. हमारा सौदा था खेलघंटी में खाने की अदला-बदली का"- इस घटना की याद में मिहिर अपनी डायरी लिखता है।वह डायरी कल्पना करके लिखें।
   - राजमा देखकर मोरपाल का प्रसन्न होना ।
   - मोरपाल के घर से छाछ लाना ।
   - छाछ मिहिर की कमज़ोरी
   - मोरपाल का राजमा पहले देखना।
3. वाक्य पिरमिड की पूर्ती कीजिए

   (स्कूली, शादी में)

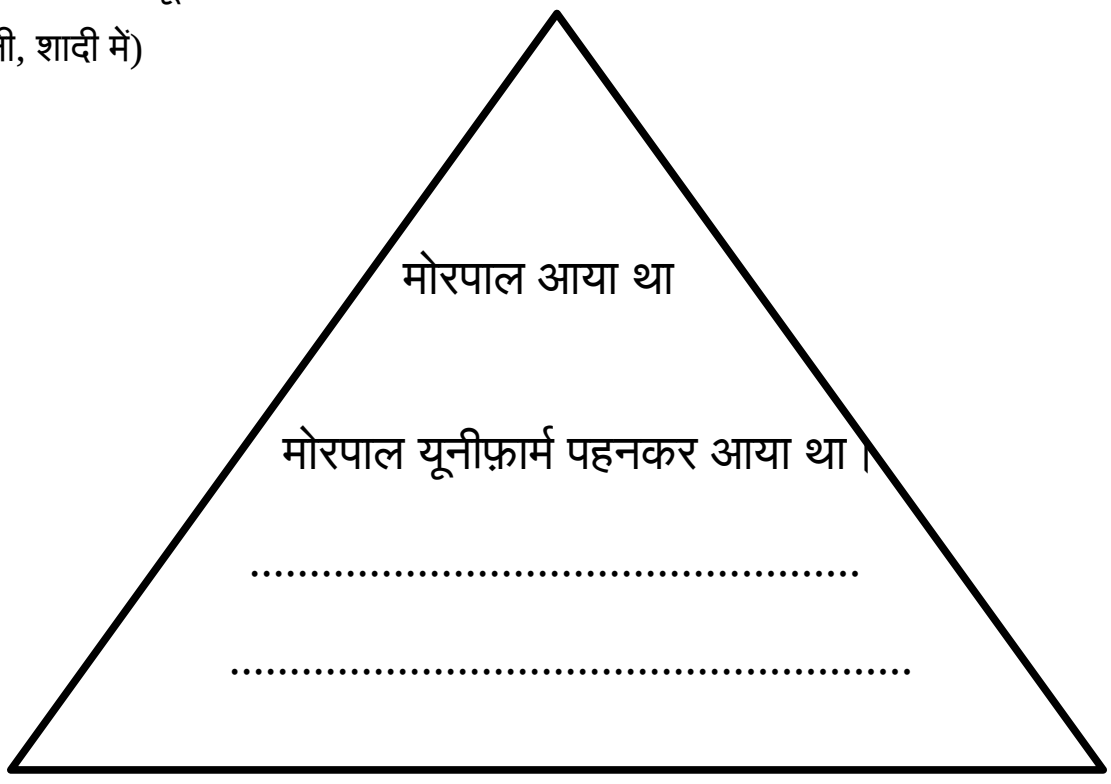

4. इस पाठभाग के आधार पर मिहिर और मोरपाल के जीवन अनुभवों पर टिप्पणी लिखें।

- मिहिर का स्कूल न जाने का बहाना।
- मोरपाल केलिए रविवार हफ्ते कासबसे बुरा दिन ।
- मीहिर स्कूल में यूनीफ़ार्म पहनना पसंद नहीं करता।
- मोरपाल हमेशा यूनीफ़ार्म पहनता था।
- मिहिर केलिए स्कूली जीवन सबसे खराब दिन हो तो मोरपाल केलिए पूरे जीवन के सबसे अच्छे दिन।

5. कोष्ठक से उचित क्रिया रूप लेकर रिक्त स्थान की पूर्ति करें|

लड़का पाठ -------| (लिखेगा ,लिखेगी)

बच्चे पाठ -------। (पढेंगे , पढेगा)

लड़कियाँ साईकिल -------। (चलाएँगे , चलाएँगी)

रमा गीत -------। (गाएगा ,गाएगी)

6. कलाम और रणविजय की ज़िदगी का अंतर लिखिए।

स्कूल जाना कतई पसंद नहीं करता ।	राष्ट्रपति कलाम सा बनना चाहता है।
गरीब घर का लडका था।	घुडसवारी जानता है।
अंग्रेज़ी जानता है।	दिल्ली पहूँचता है
सपना साकार होकर स्कूल जाता है ।	राजपरिवार का लडका।

कलाम	रणविजय
राष्ट्रपति कलाम सा बनना चाहता है।	स्कूल जाना कतई पसंद नहीं करता ।
.....	.....
.....	.....
.....	.....

सबसे बडा शो मैन

1. उचित क्रिया रूप लेकर रिक्त स्थान की पूर्ति करें ।

गोकुल बाज़ार ..... । (जाना लगा / जाने लगा)

मीना कहानी ..... । (लिखने लगा लिखने लगी)

बच्चे मैदान में ..... । (खेलना लगे / खेलने लगे)

औरतें गीत ..... । (गानी लगीं / गाने लगीं)

2. सही मिलान करें ।

माँ गीत गा न सकी	इसलिए उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद की ।
मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था	इसलिए माँ चार्ली को स्टेज पर भेजने से डर गई ।
सामने उग्र भीड थी ।	इसलिए लोग चिल्लाने लगे ।

3.चार्ली के पहले शो के बाद माँ अपनी सहेली को पत्र लिखती है । सूचना के आधार पर वह पत्र तैयार कीजिए ।

- गाते समय आवाज़ खराब होना ।
- लोगों की चिल्लाहट
- स्टज से हटना ।
- चार्ली को स्टेज पर भेजना ।
- तालियाँ बजाना ।
- बेटे का पहला शो ।

4. उसने जन्म ले लिया था । **उसने** में निहित सर्वनाम कौन - सा है ?

(यह, वह, हम, तुम)

5. वाक्यपिरमिड की पूर्ती कीजिए ।

(माँ की आवाज़, फटकर)

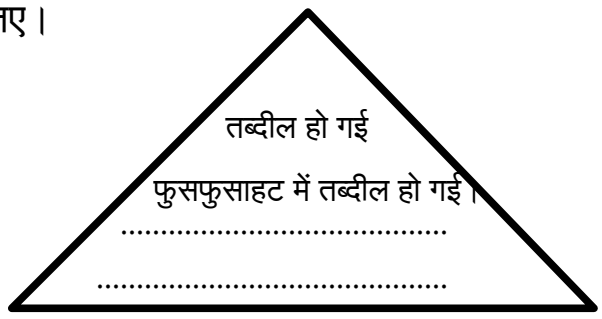

अकाल और उसके बाद

1. “अकाल और उसके बाद' कविता की प्रासंगिकता पर टिप्पणी लिखें।

- अकाल का प्रभाव।
- अकाल से जुड़ी गरीबी, भूख और पीड़ा ।
- दाने आने पर होनेवाले परिवर्तन।
- समाज में गरीबों के घर की दशा ।

2. सही मिलान कीजिए।

चूल्हे	सोती रहना
चक्की	गश्त
कानी कुतिया	दाने आना
कौए	उदास होना
घर के अंदर	पंख खुजलाना।
छिपकलियों	रोना
घर भर की आँखें	धुआँ उठना
आँगन से	बुरी हालत
चूहों की	चमकना

ठाकुर का कुआँ

1. कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है। किसीके लिए रोक नहीं, सिर्फ ये बदनसीब नहीं भर सकते । गंगी क्यों इसप्रकार सोचती है ?

क) गंगी अनपढ़ है (ख) पानी खराब है।

(ग) कुआँ दूर है . (घ) वे निम्न जाति के हैं।

2. हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँच हैं? "यहाँ किस समस्या की ओर संकेत है?

(क) गरीबी. (ख) पारिवारिक समस्या

(ग) जाति प्रथा (घ) अकाल

3. आशय समझें. . . सही मिलान करें. . .

गंगी पानी लेने के लिए	पर जल्दी पानी नहीं ले सकती थी।
गंगी कुएँ के पास पहुँची	कुएँ पर आ रहा था।
ठाकुर के दरवाज़े पर	असमानता के विरुद्ध विचार उठने लगे।
दीये का धुँधला प्रकाश	कुछ लोग बैठे थे।
गंगी के विद्रोही मन में	रात को निकल पड़ी।

गंगी पानी लेने के लिए	रात को निकल पड़ी।
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .

बसंत मेरे गाँव का

1. आशय समझकर सही या गलत चिह्न लगाएँ. . .

* पंचाचूली और चौखंभा के बीच में नंदा पर्वत स्थित है।
* बसंत और फूलदेई के त्योहार के बीच में कोई संबंध नहीं।
* फूलदेई बड़ों का त्योहार है।
* फूलदेई की विदाई के साथ वसंत का उत्सव समाप्त हो जाता है।
* उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई का त्योहार मनाया जाता है।

2. अर्थ समझकर सही मिलान करें. . .

विदा देना	कूदना
पौ फटना	समेटना
इकट्ठा करना	रवाना करना
शुरू करना	दिखाई देना
नज़र आना	आरंभ होना
छलांग मारना	प्रात:काल होना

3. उत्तराखंड में ' फूलदेई का त्योहार ' मनाने की तैयारी में है। नीचे की सूचना से एक पोस्टर तैयार करें।

- उत्तराखंड के बच्चों का विशेष त्योहार
- फूलदेई का त्योहार
- सबका स्वागत ।
- आएँ। मज़ा लें।
- पंचायत सभागृह में सबेरे।
- उत्तराखंड बालमंडल ।
- समापन समारोह और सामूहिक भोज।

दिशाहीन दिशा

1. सही मिलान करें. .

अविनाश ने लेखक का	कुछ देर झील की सैर की जाए।|
लेखक को एक रात	रात को ग्यारह बजे के बाद घूमने निकले।
लेखक और अविनाश	भोपाल रह जाना पड़ा।
लेखक को इच्छा हुई कि	बिस्तर लपेटकर खिड़की से बाहर फेंक दिया |

अविनाश ने लेखक का	बिस्तर लपेटकर खिड़की से बाहर फेंक दिया |
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2. वाक्यपिरमिड की पूर्ती कीजिए।

(झट से, उसकी तरफ)

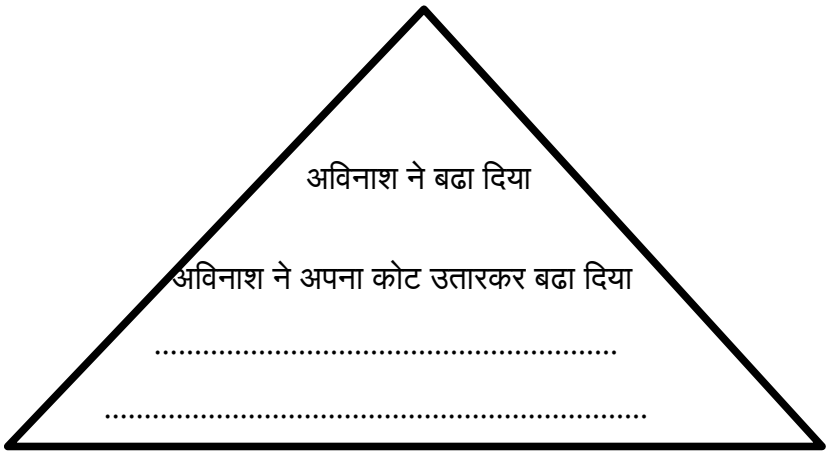

3. सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

मैं +का	मुझे
मैं+के	मुझे
मैं +को	मुझे
मैं +की	मुझे

बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

1. " बालश्रम समाज का अभिशाप है " । सूचना के आधार पर लेख लिखिए ।

- बालश्रम कठोर समस्या
- गरीबी
- माँ बाप से छोड जाना
- आज का बच्चा कल का नागरिक
- बचपन और पढाई से वंचित
- बालश्रम के विरुद्ध आवाज़ उठाना ।

2. सही मिलान करें।

सुबह - सुबह	अंतरीक्ष में गिर गई हैं ।
सारी गेंदें	दीमकों ने खा लिया है।
मदरसों की इमारतें	बच्चे काम पर जा रहे हैं।
रंग बिरंगी किताबों को	भूकंप में ढह गई हैं ।

सुबह - सुबह	बच्चे काम पर जा रहै हैं।
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .
. . . . .	. . . . .

गुठली तो पराई है

1. गुठली बड़ी उत्सुक थी। जैसे- तैसे पूजा पाठ के बाद कार्ड हाथ में आया तो गुठली का मुँह उतर गया। वह ताऊजी के पास जाकर बोली, "देखिए भइया मेरा नाम कार्ड में छपवाना भूल गया?" ताऊजी बोले, "भूला नहीं है रे . . . . अपने घर की छोरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते।" गुठली, पर ताऊजी उसमें भइया के छोटे-से बेटे का भी नाम है जो अभी बोल भी नहीं सकता तो मेरा. . . . . ।

इस घटना के आधार पर **पटकथा** तैयार कीजिए ।

स्थान गुठली का घर

समय रात नौ बजे

पात्र गुठली और ताऊजी

(दृश्य का विवरण) . . . . . .

. . . . . .

. . . . . .

2. सही मिलान करें ।

भाई साहब आप कुलदीपक हो	यह तो मेरा घर है।
गुठली समय से बहुत पहले ही	सबकी देखभाल आप ही कीजिए।
गुठली बोली	तेरा असली घर होगा।
ससुराल ही	स्कूल जाने केलिए तैयार हो गई।

भाई साहब आप कुलदीपक हो	सबकी देखभाल आप ही कीजिए।
गुठली समय से बहुत पहले ही	.....
गुठली बोली	.....
ससुराल ही	.....

3. सही वाक्य पहचानकर लिखें।

- गुठली रोने लगा।
- गुठली रोने लगी।
- गुठली रोने लगे
- गुठली रोने लगीं।

4. वाक्य पिरमिड की पूर्ती कीजिए।
(अपने हाथ से, कार्ड पर)

माँ ने लिख दिया ।

माँ ने उसका नाम लिख दिया ।

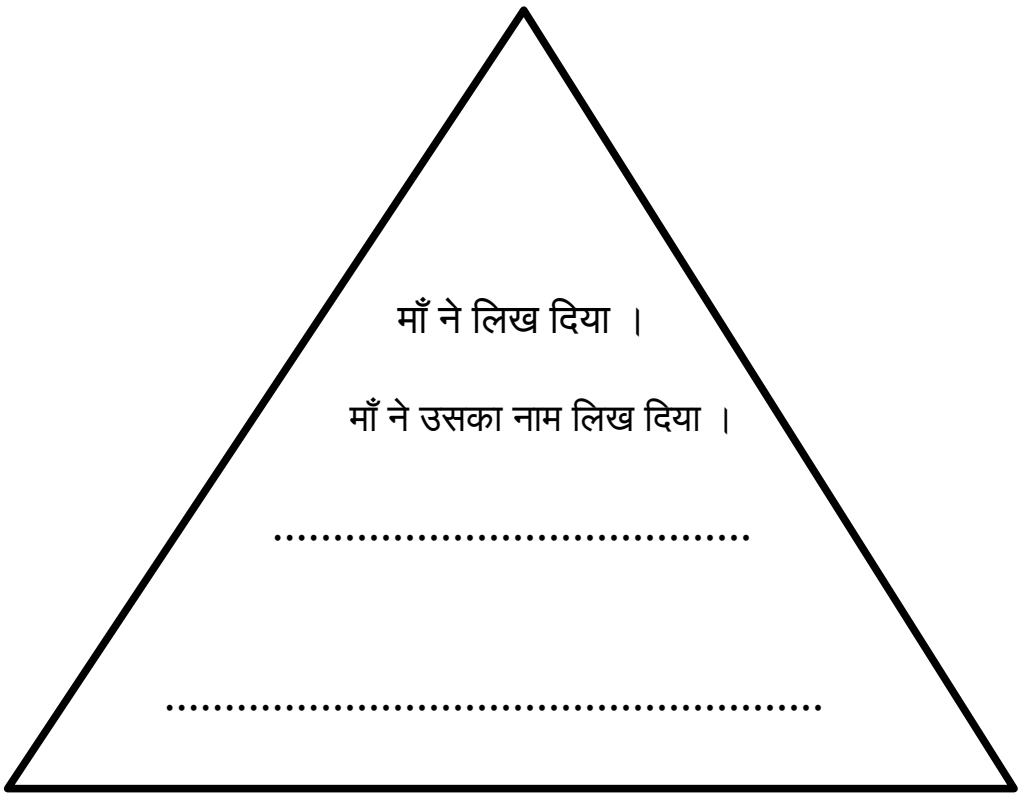

………………………………………

……………………………………………………

* *